RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 168 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 12-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस डर फैलाकर लोगों को 'गुमराह' कर रही है : चिराग पासवान

6 सड़कें अब बुद्धिमान : भारत की स्मार्ट सुरक्षा का नया युग

7 'ड्रीम' को लेकर सीमा में नहीं बंधना चाहतीं अदा शर्मा

फर्स्ट टेक

अमेरिका ने सीरिया में आईएसआईएस के खिलाफ हमले शुरू किए

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका ने पिछले महीने सीरिया में हुए हमले में अपने दो सैनिकों और एक दुभाषिए की मौत के बाद इस्लामिक स्टेट के खिलाफ फिर से जवाबी हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार, अमेरिका और सहयोगी बलों द्वारा किए गए ये व्यापक हमले पूर्वी समयानुसार दोपहर साढ़े 12 बजे के आसपास हुए। इन हमलों में सीरिया भर में इस्लामिक स्टेट के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। शनिवार के हमले एक व्यापक अभियान के तहत किए गए जो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आईएसआईएस के उस घातक हमले के जवाब में शुरू की गई कार्रवाई का हिस्सा है जिसमें पिछले महीने पल्मायरा में सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर, सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड और दुभाषिया अयाद मंसूर सकात की मौत हो गई थी।

नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाकों में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में रविवार शाम को अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे कई अग्रिम क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी ड्रोन पाकिस्तान की तरफ से आई थीं और भारतीय क्षेत्र के ऊपर कुछ मिनट तक मंडराने के बाद वापस लौट गईं। अधिकारियों के अनुसार, सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि को देखते हुए सुरक्षा बलों ने जमीन पर तलाश अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि राजौरी में नियंत्रण रेखा के पास नौशेरा सेक्टर की रखवाली कर रहे सेना के जवानों ने शाम करीब छह बजकर 35 मिनट पर गनिया-कलसियां गांव के ऊपर ड्रोन की गतिविधि को देखते हुए मध्यम और हल्की मशीन गनों से गोलीबारी की।

कर्नाटक के लक्कुंडी गांव में मिला सोना 'खजाना नहीं' है : एएसआई अधिकारी

गडग (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के गडग में अपनी वास्तुकला विरासत के लिए मशहूर गांव लक्कुंडी में एक घर के विस्तार के लिए नींव खोदते समय मिला सोना खजाना नहीं है। एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) धारवाड़ सर्कल के वरिष्ठ पुरातत्वविद् रमेश मुलिमानी ने सोने से भरा तांबे का बर्तन मिलने के एक दिन बाद उस जगह का दौरा किया।

12-01-2026 सूर्यास्त 6:10 बजे | 13-01-2026 सूर्योदय 6:45 बजे

BSE	NSE
83,576.24	25,683.30
(-604.72)	(-193.55)

सोना	चांदी
14,462 रु.	255,900 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घुसपैठियों का जाल

भारत में रहने वाले सब,
क्या सारे हैं भारतवासी।
जनगणनाओं के बाद दिखी,
घुसपैठी जनता भी खासी।
गति अब है साँप छछूंदर की,
जब गले पड़ रही है फाँसी।
कुछ करो त्वरित ओ नेताओं,
छोड़ो बातों की फन्तासी।

केरल की जनता बताए कि क्या जमात-ए इस्लामी से राज्य सुरक्षित होगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को चेतावनी देते हुए कहा कि केरल में कानून-व्यवस्था की स्थिति फिलहाल शांत दिख सकती है, लेकिन ''कई खतरे धीरे-धीरे उभर रहे हैं'' जो भविष्य में खतरनाक रूप ले सकते हैं। शाह ने यहां एक प्रमुख मलयालम समाचार पत्र 'केरल कौमुदी' द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाये और पूछा कि क्या वे वास्तव में लोगों को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने सवाल किया, ''जो लोग सहअस्तित्व में विश्वास नहीं रखते, वे एकता कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं?''

शाह ने कहा, ''आज इस कार्यक्रम के माध्यम से मैं केरल के लोगों से पूछना चाहता हूं: क्या पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया), जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठन और एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) जैसी राजनीतिक पार्टियां केरल को सुरक्षित रख सकती हैं?'' उन्होंने कहा, ''ऐसे खतरों की पहचान करना और उन्हें खत्म करने के प्रयास करना सरकार की जिम्मेदारी है।''

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, ''इस तरह के खतरों की पहचान करना और उन्हें खत्म करने के प्रयास करना सरकार की जिम्मेदारी है।'' उन्होंने पीएफआई पर प्रतिबंध का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों ने ही इस फैसले का न तो विरोध किया और न ही समर्थन किया।

गृह मंत्री ने कहा, ''मैं देश भर में जहां भी जाता हूं, यह बात स्पष्ट रूप से कहता हूं - पीएफआई पर प्रतिबंध लगाकर हमने उसके पूरे कैडर को सलाखों के पीछे डाल दिया, और परिणामस्वरूप पूरा देश अधिक सुरक्षित हो गया।'' उन्होंने कहा कि केरल की सुरक्षा केवल ''पर्दे के पीछे काम कर रहे अदृश्य खतरों'' की पहचान करके ही सुनिश्चित की जा सकती है।

शाह ने कहा, ''विकसित केरल के साथ-साथ सुरक्षित केरल भी महत्वपूर्ण है।''

उनकी यह टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के प्रमुख राजीव चंद्रशेखर द्वारा कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ में शामिल आईयूएमएल और इस्लामी संगठन जमात-ए-इस्लामी पर राज्य में भाजपा को हराने के लिए धर्म का इस्तेमाल करके 'खतरनाक राजनीति' खेलने का आरोप लगाए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

चंद्रशेखर ने आरोप लगाया था कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और जमात-ए-इस्लामी को युवाओं के विकास या रोजगार में कोई दिलचस्पी नहीं है, बल्कि उनका ध्यान केवल केरल में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने पर केंद्रित है।

सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी सक्रिय

भारत को सतर्क, एकजुट तथा शक्तिशाली बने रहने की जरूरत

- सोमनाथ का 1,000 वर्षों का इतिहास विनाश और पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का है।
- जो व्यक्ति अपने धर्म के प्रति सच्चे भाव रखता है, वह ऐसी चरमपंथी विचारधारा का समर्थन नहीं करेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोमनाथ (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें ''हमारे बीच अब भी सक्रिय हैं'' और भारत को उन्हें हराने के लिए सतर्क, एकजुट तथा शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है।

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में स्थित ऐतिहासिक मंदिर पर अतीत में हुए हमलों और हर बार इसके पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि लोगों का दिल तलवार की नोक पर कभी नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का 1,000 वर्षों का इतिहास विनाश और पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का है।

वह सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में आयोजित एक विशाल सभा को संबोधित कर रहे थे, जो भारतीय सभ्यता के लचीलेपन को चिह्नित करने के लिए यहां आयोजित किया गया था, जिसका प्रतीक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण है, जिसे 1026 ईस्वी में महमूद गजनी के आक्रमण से शुरू होकर विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा बार-बार तबाह किया गया था।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के एक बयान के अनुसार, सदियों पहले इस मंदिर को नष्ट करने के कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज विश्वास, साहस और राष्ट्रीय गर्व के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह सब इसे इसकी प्राचीन महिमा में बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले नफरत से प्रेरित थे, लेकिन इसे केवल लूटपाट के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, ''धार्मिक उद्देश्य को छुपाने के लिए किताबें लिखी गईं, जिनमें इसे महज सामान्य लूटपाट के रूप में दर्शाया गया। सोमनाथ मंदिर को बार-बार नष्ट किया गया। यदि आक्रमण केवल लूटपाट के लिए होते, तो 1,000 साल पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही वे रुक गए होते।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ के पवित्र देवता का अपमान किया गया। मंदिर के स्वरूप को ही बदलने के बार-बार प्रयास किए गए। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को लूट के लिए नष्ट किया गया था। नफरत, अत्याचार और आतंक का सच्चा इतिहास हमसे छुपाया गया।''

मोदी ने कहा कि जो व्यक्ति अपने धर्म के प्रति सच्चे भाव रखता है, वह ऐसी चरमपंथी विचारधारा का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, तुष्टीकरण में लिप्त लोग ऐसे धार्मिक चरमपंथ के आगे घुटने टेक देते हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा

कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए कोई लड़ाई नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई लड़ाई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह नफरती भाषण विधेयक (हेट स्पीच बिल) पर जानकारी देने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इन दावों पर कि संक्रांति के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए फिर से संघर्ष शुरू होगा, सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से कहा, कोई लड़ाई नहीं है, यह आप (मीडिया) पैदा करते हैं। बिना वजह ऐसे सवाल पूछे जाते हैं।

वह भाजपा के उस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें दावा किया गया था कि संक्रांति पर्व के बाद कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री पद की कुर्सी के लिए संघर्ष एक बार फिर शुरू होगा।

राज्य में मुख्यमंत्री के संभावित बदलाव को लेकर अटकलों ने तब जोर पकड़ा, जब कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा कर लिया। इन अटकलों को 2023 में सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच हुए 'सत्ता-साझेदारी' समझौते से भी बल मिला।

नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित विधेयक पर भाजपा द्वारा राज्यपाल से इसे मंजूरी न देने के आग्रह किए जाने की योजना के बीच, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलकर उन्हें इस विधेयक के बारे में जानकारी देंगे।

सिद्दरामय्या ने कहा, विधेयक विधायिका द्वारा पारित किया गया है। राज्यपाल ने इसे न तो खारिज किया है, न वापस भेजा है और न ही अपनी सहमति दी है। देखते हैं, जब भी वह (राज्यपाल) बुलाएंगे, मैं जाकर उन्हें इसके बारे में जानकारी दूंगा।

विधेयक में नफरती अपराध के लिए एक वर्ष की जेल की सजा का प्रस्ताव है, जिसे 50,000 रुपये के जुर्माने के साथ सात साल तक बढ़ाया जा सकता है। बार-बार अपराध करने पर अधिकतम सात साल की कैद और एक लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

पीएसएलवी-सी62 के प्रक्षेपण के लिए उल्टी गिनती शुरू

श्रीहरिकोटा/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (पीएसएलवी) रॉकेट सी62 मिशन के प्रक्षेपण के लिए रविवार को साढ़े बाईस घंटे की उल्टी गिनती शुरू की।

इस साल के पहले मिशन के जरिये पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के साथ-साथ 14 अन्य सह उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

इसरो की वाणिज्यिक शाखा, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के लिए भेजे जा रहे इस मिशन में 14 घरेलू और विदेशी उपग्रहों को कक्ष में स्थापित किया जाएगा। इसरो ने बताया कि 260 टन के भार वाले पीएसएलवी-सी62 रॉकेट का प्रक्षेपण सोमवार को पूर्वाह्न 10.17 बजे के बजाय पूर्वाह्न 10.18 बजे के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।

इसरो के सूत्रों ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जी हां। उल्टी गिनती अपराह्न 12.48 बजे शुरू हुई। कुल अवधि 22 घंटे 30 मिनट है। प्रक्षेपण कल पूर्वाह्न 10.18 बजे होगा।'' पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 मिशन सबसे पहले थाईलैंड और ब्रिटेन द्वारा निर्मित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को कक्षा में स्थापित करेगा। जिसके बाद प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद 13 अन्य उपग्रहों को सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

क्रिप्टो पर भारत ने कसा शिकंजा

उपयोगकर्ताओं के लिए 'लाइव सेल्फी', 'जियो-टैगिंग' अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। क्रिप्टो मार्केट में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने सख्त नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नए 'धनशोधन रोधी' और 'अपने ग्राहक को जाने' दिशानिर्देशों के तहत ग्राहकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक मौजूदगी की जांच और जियो-टैगिंग जैसे नियम अनिवार्य कर दिए गए हैं।

इस महीने आठ तारीख को जारी इन ताजा दिशानिर्देशों के अनुसार क्रिप्टो एक्सचेंजों को 'आभासी डिजिटल संपत्ति' (वीडीए) सेवा प्रदाता के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अब इन्हें सिर्फ दस्तावेजों के अपलोड से आगे बढ़कर गहन जांच का सामना करना पड़ेगा।

इसके तहत उपयोगकर्ताओं को अब एक 'सजीव सेल्फी' लेनी होगी। इसमें ऐसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जो यह पुष्टि करेगा कि व्यक्ति खुद वहां मौजूद है। इसमें पलक झपकाने या सिर हिलाने को कहा जाएगा। यह कदम फोटो या 'डीपफेक' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए उठाया गया है।

साथ ही खाता बनाते समय उपयोगकर्ता किस स्थान (अक्षांश और देशांतर), तारीख, समय और किस आईपी एड्रेस का उपयोग कर रहा है, इसका सटीक रिकॉर्ड भी रखना होगा। बैंक खाते की सक्रियता और स्वामित्व साबित करने के लिए मात्र एक रुपए का लेनदेन अनिवार्य कर दिया गया है।

इसके तहत पैन कार्ड के साथ ही आधार, पासपोर्ट या वोटर आईडी जैसा दूसरा पहचान पत्र देना होगा। साथ ही ईमेल और फोन नंबर का ओटीपी वेरिफिकेशन भी जरूरी है।

कोहली और गिल के अर्धशतक, भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वड़ोदरा/भाषा। भारत ने विराट कोहली (93 रन) और कप्तान शुभमन गिल (56 रन) के अर्धशतक तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी से रविवार को यहां न्यूजीलैंड को शुरुआती एक दिवसीय मुकाबले में एक ओवर रहते चार विकेट से हराकर तीन मैच की शृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (84), हेनरी निकोल्स (62) और डेवोन कॉनवे (56) के अर्धशतकों की मदद से आठ विकेट पर 300 रन बनाए। भारत के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो दो विकेट लिए जबकि स्पिनरों में कुलदीप यादव को एक विकेट मिला। भारत ने कोहली (91 गेंद, आठ चौके, एक छक्का) की गिल (71 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय और श्रेयस य्यर (49 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी से 49 ओवर में छह विकेट पर 306 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। केएल राहुल (नाबाद 29 रन, 21 गेंद, दो चौके, एक छक्का) ने 48वें ओवर की अंतिम तीन गेंद में से दो में चौके लगाकर स्कोर बराबर किया। फिर अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। उनके अलावा हर्षित राणा ने 23 गेंद में 29 रन का योगदान दिया।

ईरान में प्रदर्शनों में 538 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/तेल अवीव/एपी। ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन रविवार को राजधानी तेहरान और देश के दूसरे बड़े शहरों में भी फैल गए। प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 538 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने यह जानकारी दी।

अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' के अनुसार, ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 538 हो गई है और 10,670 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है।

इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान में व्यापक प्रदर्शनों के नतीजों पर उनका देश करीब से नजर रख रहा है।

नेतन्याहू ने साप्ताहिक कैबिनेट बैठक की शुरुआत में कहा, ''इजराइल के लोग और पूरी दुनिया ईरान के नागरिकों के असाधारण शौर्य से अभिभूत हैं।'' नेतन्याहू ने नागरिकों की हत्या की निंदा करते हुए उम्मीद जताई कि ईरान के अत्याचार से मुक्त होने के बाद इजराइल और ईरान के बीच संबंध फिर से मजबूत होंगे।

इजराइल के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से ईरान सहित कई विषयों पर बातचीत की।

अगर हमला हुआ तो अमेरिका और इजराइल को निशाना बनाएंगे : ईरान की चेतावनी

दुबई/एपी। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है तो अमेरिकी सेना और इजराइल उसका ''वैध निशाना'' बनेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी प्रदर्शनों को लेकर हमले की धमकी दी है। मोहम्मद बाकिर कालिबाफ की टिप्पणियों से पहली बार यह संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरानी हमले के संभावित लक्ष्यों की सूची में इजराइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी कालिबाफ ने यह धमकी तब दी जब ईरान की संसद में सांसद ''अमेरिका मुर्दाबाद'' के नारे लगाते हुए आसन के समीप पहुंच गए।

गजनी जैसे आततायियों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गजनी जैसे आततायियों के धूलधूसरित विध्वंस पर आज उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा श्री सोमनाथ मंदिर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जीवंत प्रतीक है...! पोस्ट में उन्होंने कहा, पिछले एक हजार वर्षों का कालखण्ड इस बात का प्रमाण है कि विदेशी आक्रांताओं की घृणा, कट्टरता और विध्वंस की नीति के आगे हमारी आस्था, साहस और सृजनशीलता की अमर शक्ति हर क्षण अडिग रही।

योगी आदित्यनाथ ने इसी पोस्ट में आगे कहा, आज बाबा सोमनाथ का जो भव्य स्वरूप हम देख रहे हैं, वह सरदार वल्लभभाई पटेल की निष्ठा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की आस्था, के.एम. मुंशी जी की जिजीविषा एवं लाखों सनातन धर्मावलंबियों के बलिदान का ही प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने मोदी का जिक्र करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'नया भारत' आज 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रूप में सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनी जैसे आततायियों के धूलधूसरित विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह पर्व प्रतीक है कि सत्य को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। गौरवशाली सनातन संस्कृति के अभिवर्धन हेतु आपका आभार प्रधानमंत्री जी। सोमनाथ (गुजरात) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'शौर्य यात्रा' का नेतृत्व किया। यह गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक औपचारिक शोभा यात्रा है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित इस यात्रा में 108 अश्वों की झांकी निकाली गई जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है। मोदी ने वहां आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को संबोधित किया, जो 1026 ईसवी में महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया है।

अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर को पीएमएलए के तहत कुर्क कर सकती है ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के परिसर को कुर्क कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अल फलाह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट के बाद केंद्रीय एजेंसियों की जांच के घेरे में है। आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईडी इस बात की जांच कर रही है कि क्या विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए धनराशि कथित तौर पर अपराध से अर्जित आय से हासिल की गई थी।

ईडी ने अल फलाह ट्रस्ट की ओर से संचालित शिक्षण संस्थानों के छात्रों के साथ कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में अल फलाह समूह के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को पिछले साल नवंबर में धनशोधन के आरोपों में गिरफ्तार किया था।

जांच एजेंसी ने दावा किया था कि इन शिक्षण संस्थानों के पास शिक्षण के लिए आवश्यक वैध मान्यता नहीं थी। सूत्रों के मुताबिक, मामले में चिह्नित अपराध से अर्जित आय (पीएमएलए के तहत अवैध धन) के एक हिस्से का इस्तेमाल फरीदाबाद के धौज इलाके में स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय की विभिन्न इमारतों के निर्माण में किए जाने का संदेह है।

सूत्रों ने बताया कि ईडी अल फलाह ट्रस्ट की विभिन्न चल और अचल संपत्तियों की पहचान एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया में जुटी है, जिसके पास अल फलाह विश्वविद्यालय सहित ट्रस्ट के सभी शैक्षणिक संस्थानों का मालिकाना हक है। उन्होंने बताया कि जांच पूरी होने के बाद अपराध की आय से अर्जित या निर्मित संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आदेश जारी किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, अल फलाह विश्वविद्यालय के छात्रों के अकादमिक हितों को ध्यान में रखते हुए परिसर की कुर्की के बाद भी उन्हें निर्बाध रूप से अध्ययन करने की अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि अपराध की आय से हासिल किसी संपत्ति को इसलिए कुर्क किया जाता है, ताकि उसे बेचने या नष्ट करने से रोका जा सके। सूत्रों ने बताया कि अस्थायी कुर्की की कार्यवाही पूरी होने के बाद सरकार की ओर से नियुक्त रिसीवर को अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर का प्रशासन सौंपा जा सकता है, जिससे आपराधिक कार्रवाई और अभियोजन जारी रहने के बावजूद छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी।

ईडी ने नवंबर 2025 में अदालत से सिद्दीकी की रिमांड का अनुरोध करते हुए कहा था कि विश्वविद्यालय और उसके संचालक ट्रस्ट ने सिद्दीकी के निर्देश पर मान्यता प्राप्त होने का झूठे दावा किया, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र दाखिला लें और इस तरह उसने छात्रों तथा उनके अभिभावकों से बेईमानी से कम से कम 415.10 करोड़ रुपए की अपराध की आय अर्जित की।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी कम से कम पांच ऐसे मामलों की भी जांच कर रही है, जिनमें दिल्ली में कुछ भूखंड हासिल करने के लिए सिद्दीकी से जुड़े ट्रस्ट के कथित इशारे पर जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) से जुड़े दस्तावेजों में हेराफेरी की गई थी।

अल फलाह विश्वविद्यालय उस सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के खिलाफ जांच के दौरान सुर्खियों में आया है, जिसके सिलसिले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तीन चिकित्सकों सहित कम से कम 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

अल फलाह मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर उमर उन नबी ने पिछले साल 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास विस्फोटकों से भरी कार में विस्फोट कर दिया था, जिससे 15 लोगों की मौत हो गई थी। ईडी ने दिल्ली पुलिस की दो प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए 14 नवंबर को सिद्दीकी और अल फलाह ग्रुप के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था।

'ग्रोक' से अश्लील सामग्री तैयार करने का मामला: 'एक्स' ने गलती स्वीकार की, 600 से ज्यादा खाते हटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को 'ग्रोक एआई' के अश्लील सामग्री मुद्दे पर चेतावनी दिए जाने के बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और कहा है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करेगी। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि लगभग 3,500 सामग्री 'ब्लॉक' की गई हैं और 600 से अधिक खाते हटा दिए गए हैं। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है, जब 'ग्रोक' पर दुनिया भर की सरकारों का दबाव बढ़ता जा रहा है। नियामक हाल के दिनों में 'एक्स' पर बड़ी संख्या में सामने आई आपत्तिजनक और बिना सहमति वाली यौन सामग्री, 'कंटेंट मॉडरेशन' और डेटा सुरक्षा को लेकर जेनरेटिव एआई इंजन की कड़ी जांच कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, 'एक्स' ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और कहा है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करेगी। साथ ही यह भी कहा है कि भविष्य में यह मंच अश्लील चित्रों की अनुमति नहीं देगा।

इस सोशल मीडिया मंच के 'सेफ्टी' हैंडल ने पिछले रविवार को कहा कि वह अपने मंच पर अवैध सामग्री, जिसमें बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) भी शामिल है, के खिलाफ कार्रवाई करता है। इसके तहत ऐसी सामग्री को हटाना, खातों को स्थायी रूप से निलंबित करना और आवश्यकतानुसार स्थानीय सरकारों एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम करना शामिल है।

'एक्स' ने अवैध सामग्री पर मस्क के रुख को दोहराते हुए कहा था, ग्रोक का उपयोग करके या उससे अवैध सामग्री बनवाने वाले किसी भी व्यक्ति को वही परिणाम भुगतने होंगे जो कि अवैध सामग्री अपलोड करने पर भुगतने पड़ते हैं।

'एक्स' एआई चैटबॉट 'ग्रोक' पर अश्लील तस्वीरों को लेकर 'एक्स' को वैश्विक स्तर पर तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। यूरोप और एशिया समेत दुनिया भर की सरकारों ने ऑनलाइन सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। वहीं, इस मुद्दे पर 'एक्स' और 'ग्रोक' दोनों के खिलाफ कार्रवाई की सार्वजनिक मांग भी लगातार तेज हो रही है।

दो जनवरी को सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'ग्रोक' और इस तरह की एआई-आधारित सेवाओं के दुरुपयोग के माध्यम से उत्पन्न की जा रही अश्लील और यौन सामग्री के संबंध में 'एक्स' को कड़ी चेतावनी जारी की थी।

इस निर्देश में मंत्रालय ने अमेरिका स्थित सोशल मीडिया कंपनी से 72 घंटे के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने को कहा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने डीए में तीन प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) तीन प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की। इस वृद्धि के बाद डीए मूल वेतन का 58 प्रतिशत हो जाएगा। इस बढ़ोतरी से राज्य के लगभग 3.9 लाख सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। साय ने कहा कि यह फैसला कर्मचारियों के कल्याण के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पिछले वर्ष अगस्त में साय सरकार ने डीए में दो प्रतिशत की वृद्धि की थी जिससे यह मूल वेतन का 55 प्रतिशत हो गया था। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों के हित में पिछले दो साल में कई महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। उन्होंने कहा, स्थानांतरण नीति, पदोन्नति प्रक्रिया और कार्यस्थल व्यवस्थाओं में सुधार कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी, दक्ष और कर्मचारी-अनुकूल बनाया गया है। 'सुशासन एवं अभिसरण' विभाग के गठन से जन-केंद्रित शासन प्रणाली और मजबूत हुई है।

मुकेश अंबानी ने वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के लचीलेपन के लिए मोदी को 'अजेय दीवार' बताया

अहमदाबाद/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रविवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत अडिग है। उन्होंने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार' के कारण ये चुनौतियां देश को प्रभावित नहीं कर सकती। राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) को संबोधित करते हुए अंबानी ने जोर देकर कहा कि दुनिया को यह पता चलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह भारत का निर्णायक दशक है।वीजीआरसी का उदघाटन रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री ने किया।अंबानी ने कहा, दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है, और वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियां नई चुनौतियां और अनपेक्षित उतार-चढ़ाव ला रही हैं। लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा यह है कि ये चुनौतियां हमारे लोगों को नहीं छू सकतीं या परेशान नहीं कर सकतीं, क्योंकि भारत के पास नरेन्द्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार है। उन्होंने यह भी कहा कि देश केवल भविष्य के लिए तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे सक्रिय रूप से आकार दे रहा है।अंबानी ने कहा, सौराष्ट्र और कच्छ से हम उद्योग जगत के लोग खुश हैं कि हम उस विकास और दिशा में भाग ले रहे हैं, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने हम सभी के लिए दिखाया है।अंबानी ने कहा कि रिलायंस गुजरात को भारत का कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिलान्यास

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, यूनियन लॉ मिनिस्टर अर्जुन राम मेघवाल, असम के चीफ मिनिस्टर हिमंत बिस्वा सरमा और दूसरे लोग कामरूप जिले के रंगमहल में एक इंटीग्रेटेड ज्यूडिशियल कोर्ट कॉम्प्लेक्स के शिलान्यास समारोह के दौरान।

मां की मुहब्बत ऐसी की बेटे की प्रतिमा को भी न लगे ठंड, इसलिए कंबल ओढ़ा दिया

जम्मू/भाषा। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीमा सुरक्षा बल के जवान गुरनाम सिंह की प्रतिमा मां की निश्छल प्रेम का प्रतीक बन गई है। बेटे को खो चुकी मां ने बेटे की प्रतिमा को भी ठंड लगता नहीं देख सकी और उसे कंबल ओढ़ा दिया।

गुरनाम सिंह ने 2016 में 26 वर्ष की आयु में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी थी।

जम्मू के आर एस पुरा सेक्टर में स्थित शहीद गुरनाम चौक पर कांच के फ्रेम में स्थापित यह प्रतिमा, उनके गृहनगर में साहस और बलिदान का प्रतीक है। लेकिन गुरनाम सिंह की मां जसवंत कौर के लिए, यह सिर्फ एक स्मारक नहीं बल्कि उनका बेटा है – जिसकी याद वह हर दिन संजोकर रखती हैं और जिसकी तस्वीर वह अपनी गोद में लिए रहती हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कौर लगभग रोजाना स्मारक पर आती हैं और प्रतिमा की सफाई करती हैं। हर बार वह कांच को पोंछती हैं, प्रतिमा के आधार को साफ करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि स्मारक साफ-सुथरा और धूल रहित रहे। उन्होंने बताया कि कौर ने कुछ समय पहले मूर्ति पर एक कंबल ओढ़ा दिया, मानो वह अपने बेटे को ठंड से बचा रही हो। इस घटना ने राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया और कई लोग इसे देख भावुक नजर आए।

स्थानीय निवासी शेर सिंह ने कहा, कोई भाषण या समारोह नहीं हुआ – केवल एक मां का सहज भाव था जो प्रेम, हानि और स्मरण को व्यक्त करता था।

सोशल मीडिया पर कंबल से ढकी प्रतिमा की तस्वीरें साझा की गईं, जिसपर लोगों ने भावुक प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों का मानना है कि जहां राष्ट्र आधिकारिक श्रद्धांजलि के माध्यम से अपने शहीद सैनिकों को सम्मानित करता है, वहीं यह श्रद्धा शहीदों के परिवारों द्वारा किए गए अदृश्य बलिदानों को भी उजागर करती है।

घोषणा पत्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य के उप मुख्यमंत्री एकांनाथ शिंदे और अन्य लोगों के साथ मुंबई में बीएमसी चुनावों के लिए महायुति के घोषणापत्र के लॉन्च करते हुए।

स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा संचालित स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षा 34 केंद्रों पर रविवार को संपन्न हुई। जैन धर्म एवं दर्शन से संबंधित कक्षा एक से कक्षा दस तक में लगभग 1100 से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। बेंगलूरु के चिकपेट, अक्कीपेट, पार्क वेस्ट, चामराजपेट, हनुमंतनगर, त्यागराजनगर, जयनगर, बेंगलूरु सेंट्रल, विल्सन गार्डन, शांतिनगर, डब्बल रोड़, शूले, अलसूर, फ्रेजरटाऊन, कम्मनहल्ली, संजयनगर, यशवंतपुर, मल्लेश्वरम, श्रीरामपुरम्, राजाजीनगर, विजयनगर, मागड़ी रोड़, ईटा गार्डन एवं शोभा अपार्टमेंट की पाठशालाओं के व्यवस्थापकों एवं अध्यापकों ने परीक्षा व्यवस्था संभाली। इसके अलावा अन्य शहरों में भी केन्द्र थे। स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़, मंत्री मीठालाल पटवा, संयोजक शांतिलाल बोहरा, परीक्षा चेयरमैन उत्तमचंद गुगलिया, पाठशाला चेयरमैन दिनेश खींचा एवं अनेक वरिष्ठ स्वाध्यायी सदस्यों ने निरीक्षण दौरा किया। स्वाध्याय संघ द्वारा सभी परीक्षार्थियों को उपस्थिति पुरस्कार प्रदान किए। विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह 5 अप्रैल को किया जाएगा।

नेपाल का पुराना शाही परिवार राजशाही को फिर से बहाल करने की मांग को लेकर एक रैली में हिस्सा लेते लोग। यह रैली 18वीं सदी के राजा पृथ्वी नारायण शाह की जयंती के मौके पर हो रही है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच, भारत अभूतपूर्व निश्चितता का गवाह बन रहा है : नरेन्द्र मोदी

राजकोट/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत वर्तमान में अभूतपूर्व निश्चितता और राजनीतिक स्थिरता के युग का साक्षी है, विशेषकर एक ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितता का सामना कर रही है। राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) का उदघाटन करने के बाद मोदी ने कहा, वैश्विक स्तर पर व्याप्त भारी अनिश्चितता के बीच, हम भारत में अभूतपूर्व निश्चितता के युग के साक्षी बन रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है और

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बुनियादी ढांचे के साथ-साथ उद्योग के लिए तैयार कार्यबल सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नेपाल में राजशाही समर्थकों ने निकाली रैली, राजा को फिर से बहाल करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के समर्थकों ने रविवार को राजधानी में रैली निकाली और मार्च में होने वाले चुनावों से पहले राजा की बहाली की मांग की। असंतुष्ट 'जेन-जेड' युवाओं द्वारा सितंबर में किए गए हिंसक प्रदर्शनों की के बाद अंतरिम सरकार का गठन हुआ और मार्च में नए संसदीय चुनाव होने हैं। 'जेन-जेड' आंदोलन के बाद अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र के समर्थकों द्वारा यह पहली रैली थी। रैली में शामिल लोग 18वीं शताब्दी में शाह वंश की शुरुआत करने वाले राजा पृथ्वी नारायण शाह की प्रतिमा के चारों एकत्र हुए और हम अपने राजा से प्यार करते हैं। राजा को वापस लाओ के नारे लगाए। अंतिम शाह राजा ज्ञानेंद्र को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, और 2008 में राजशाही आधिकारिक रूप से समाप्त कर देश को गणतंत्र घोषित कर दिया। प्रदर्शन में सम्राट थापा ने कहा, इस देश के लिए अंतिम और एकमात्र विकल्प राजा और राजशाही ही है।

वर्तमान परिस्थितियों और 'जेन-जेड' आंदोलन के बाद देश ने जो राह अपनाई है, उसे देखते हुए स्थिति को संभालने के लिए राजशाही को बहाल करना आवश्यक है।जेन-जेड पीढ़ी 1997 से 2012 के बीच जन्में लोगों को कहा जाता है।

रविवार को पृथ्वी नारायण की जयंती है, और गत वर्षों में इस वार्षिक रैली में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें होने का इतिहास रहा है। पिछले साल मार्च में राजा के समर्थन में हुई एक रैली में दो लोग मारे गए थे। रविवार की सभा शांतिपूर्ण रही क्योंकि दंगा पुलिस ने कार्यक्रम पर कड़ी नज़र रखी हुई थी।

खरीददारी

बेंगलूरु में रविवार को 'मकर संक्रांति' त्योहार से पहले लोग होलसेल मार्केट में खरीददारी करते हुए।

मैं मनरेगा पर विपक्षी पार्टियों की बहस की चुनौती स्वीकार करता हूँ : डीके शिवकुमार

बहस के लिए कुमारस्वामी का स्वागत है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि वह मनरेगा पर विपक्ष की बहस की चुनौती स्वीकार करते हैं। पैलेस ग्राउंड्स के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, विपक्षी पार्टियों ने कहा है कि वे मनरेगा पर बहस के लिए मेरी चुनौती के लिए तैयार हैं। मैं यह प्रस्ताव स्वीकार करता हूँ और किसी भी प्लेटफॉर्म पर, किसी भी समय बहस के लिए तैयार हूँ।

कुमारस्वामी के बहस में आने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं उनका स्वागत करता हूँ। अगर वह पहले बहस के लिए आएं तो अच्छा होगा। चाहे वह बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हों या विपक्ष के नेता या कुमारस्वामी, मैं तैयार हूँ। यह कोई पब्लिक प्लेटफॉर्म, सेशन या मीडिया प्लेटफॉर्म हो सकता है, मैं तैयार हूँ।

कुमारस्वामी द्वारा सिद्दरामय्या को 'किराए का सीएम' कहने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। हम उन्हें काफी समय से मीडिया के सामने डायलॉग देते हुए देख रहे हैं। सिद्दरामय्या उनकी टिप्पणियों का जवाब देंगे। मुझे बताएं कि आप बहस के लिए कब समय तय करते हैं। मैं आज शाम के लिए ही तैयार हूँ। मुझे किसी तैयारी की ज़रूरत नहीं है, मेरे पास सारी जानकारी मेरी उंगलियों पर है।

उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि कनकपुरा तालुक में मनरेगा का कितना काम हुआ है। बीजेपी ने ही हमें मनरेगा के कार्यान्वयन में नंबर 1 का अवॉर्ड दिया था। मुझे नहीं पता कि कुमारस्वामी और प्रल्हाद जोशी को इस बारे में पता है या नहीं। केंद्र ने तालुक में मनरेगा के कामों की जांच के लिए एक टीम भेजी थी।

कुमारस्वामी के राज्य की राजनीति में आने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'राज्य की राजनीति क्यों, वह गांव से ही राजनीति कर सकते हैं।' वोक्कालिगा उद्यमी कार्यक्रम पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, हम युवा वोक्कालिगा उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। ये उद्यमी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे अपनी पार्टी पर भरोसा है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज भरोसा जताया कि पार्टी आगे उनके बारे में फैसला लेगी। उन्होंने रविवारको 'उद्यमी वोक्कालिगा एक्सपो 2026' कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, मैं किसी पॉलिटिकल परिवार से नहीं आता, फिर भी मैं इस लेवल तक पहुँचा हूँ। मुझे भरोसा है कि पार्टी आगे मेरे बारे में फैसला लेगी। मैंने एक बार सेशन में बी एस येडीयुरप्पा को सफलता का राज बताया था। मैंने उनसे कहा था कि सफलता पाने के लिए धर्मराय का धर्म, कर्ण की उदारता, अर्जुन का फोकस, विदुर की रणनीति, भीम की ताकत और कृष्ण की चालें चाहिए। मैंने राजनीति में बहुत चोटें खाई हैं।

उन्होंने कहा, जब मैं जेल में था तो आप सबने मेरे लिए प्रार्थना की थी। मुझे पता है कि आप सब अभी भी मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हैं और मेरे लिए अच्छा चाहते हैं। मेरा मानना है कि अगर कोशिशें नाकाम भी हो जाएं, तो भी प्रार्थनाएं कभी बेकार नहीं जातीं। हमारी अपनी कम्युनिटी के लोग ही मेरी आलोचना कर रहे हैं। वे सामने से भी वार कर रहे हैं और पीछे से भी। मेरा ज़मीर जानता है कि जब कुमारस्वामी सीएम थे, तब मैं कितना ईमानदार था। अब, कुमारस्वामी मुझ पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं। मुझे किसी सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं है, मेरा ज़मीर जानता है।

उन्होंने कहा कि भगवान वरदान या श्राप नहीं देते, वे सिर्फ मौके देते हैं। जब हमें मौके मिलें तो हमें उनका फायदा उठाना चाहिए। भरोसा ज़िंदगी में सबसे बड़ी चीज़ है, अपने लेन-देन और बिज़नेस में हमेशा भरोसा बनाए रखें। मैं यहाँ आपके साथ अपनी एकजुटता दिखाने आया हूँ। आप सब मेहनती लोग हैं। उन्होंने वोक्कालिगा कम्युनिटी के एंटरप्रेन्योर्स से कहा कि वोक्कालिगा नाम सबसे बड़ा आत्म-सम्मान है जो आपके पास है।

कम्युनिटी के युवा एंटरप्रेन्योर्स यहाँ इकट्ठा हुए हैं। मैं उन सभी के लिए आगे के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। किसी को पैसे उधार न दें, किसी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। आपको हमेशा सावधान रहना होगा। मैं आपको यह सलाह अपने अनुभव से दे रहा हूँ। बालगंगाधरनाथ स्वामीजी कहते थे कि खून और पैसा हमेशा सर्कुलेशन में रहना चाहिए।

काम्बाला

रविवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के नरिंगना गांव में लवकुश जोदुकेरे कंबाला कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, मंत्री एचके पाटिल, दिनेश गुंडू राव और अन्य लोग शामिल हुए।

हुब्बल्ली में बलात्कार और वीडियो प्रसारित करने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली में दो लोगों ने 35 वर्षीय एक महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया और घटना की तस्वीरें व वीडियो ऑनलाइन प्रसारित कर दिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला के साथ बलात्कार के आरोपी दो पुरुषों और घटना के वीडियो प्रसारित करने वाले तीसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है जिन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। इसने कहा कि महिला की हालत स्थिर है और उसकी चिकित्सा जांच जारी है।

हुब्बल्ली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने बताया कि यह घटना नौ जनवरी को रात 11:30 बजे से आधी रात के बीच हुई जब महिला को कथित तौर पर अंबेडकर ग्राउंड से एक ऑटो-रिक्शा में ले जाया गया। उन्होंने कहा, ''दोनों व्यक्तियों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, शारीरिक संबंध बनाए और कथित तौर पर उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया। उन्होंने अंबेडकर ग्राउंड वापस छोड़ने से पहले उसकी तस्वीरें और वीडियो लिए।''

पुलिस ने बताया कि उसे घटना की जानकारी तब मिली जब आम लोगों को तस्वीरें तथा वीडियो मिले और उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया। बाद में, पता चला कि महिला हुब्बल्ली शहर में है। अधिकारी ने कहा, ''शुरू में उसकी पहचान अज्ञात थी। जांच में पता चला कि वह पिछले डेढ़ महीने से शहर के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों के पास रह रही थी और सिद्धारूढ़ा मठ में भोजन करती थी।'' उन्होंने बताया कि पुलिस ने शुरू में खुद ही मामला दर्ज किया था और महिला का पता चलने के बाद औपचारिक शिकायत दर्ज की गई। शिकायत के आधार पर बलात्कार का मामला दर्ज किया गया और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत फोटो व वीडियो बनाने और प्रसारित करने का मामला दर्ज किया गया।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि महिला अपने पति से विवाद के बाद लगभग डेढ़ महीने पहले दूसरे जिले से हुब्बल्ली आई थी। इस घटना (महिला का पति से विवाद) के सिलसिले में उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल शिवमोग्गा जेल में बंद है।

पुलिस ने शिवानंद और गणेश को बलात्कार के आरोपी और प्रदीप को वीडियो प्रसारित करने के आरोपी के रूप में पहचाना है, और ये तीनों मजदूर के रूप में काम करते थे। इसने बताया कि ओल्ड हुब्बल्ली इलाके के कुछ निवासियों ने शिवानंद और गणेश की संलिप्तता के बारे में पता चलने पर कथित तौर पर उन पर हमला किया और उनके बाल मुंडवा दिए। पुलिस ने कहा कि शिवानंद की शिकायत के बाद एक अलग मामला दर्ज किया गया और चार लोगों को हिरासत में लिया गया

मंड्या में प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए खेल मंत्री का धन्यवाद : एचडी कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को 'खेलो इंडिया स्कीम' के तहत मंडया जिले में विभिन्न खेलों की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 14 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को धन्यवाद दिया। एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, मंडया में एक इनडोर स्पोर्टिंग हॉल बनाने के लिए मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा युवा एथलीटों को ट्रेनिंग देने, जिला और राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और आम लोगों में फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा देगी। निर्माण कार्य जल्द शुरू होने वाला है। इससे मांड्या को कर्नाटक के स्पोर्टिंग मैप पर मजबूती से जगह मिलने की उम्मीद है। यह मंजूरी मांड्या के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है।

कुमारस्वामी ने केंद्रीय खेल मंत्री को पत्र लिखकर मंडया की स्पोर्टिंग क्षमता को दर्शाते हुए इस प्रोजेक्ट के लिए उनका सहयोग मांगा था। उन्होंने अपने पत्र में मंडया में एक आधुनिक स्टेडियम की जरूरत पर जोर देते हुए लिखा था, प्रस्तावित स्टेडियम का मकसद शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देकर, खेल विकास को बढ़ावा देकर और सोशल इंटरेक्शन को बढ़ावा देकर लोकल एथलीट, टीमों और बड़े पैमाने पर समाज को लाभ पहुंचाना है।

केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री ने जोर दिया कि यह सुविधा जिले के स्पोर्ट्स संरचना को और बढ़ाएगी। प्रोजेक्ट से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंट की मेजबानी और पर्यटन बढ़ेगा, साथ ही स्थानीय स्तर पर अर्थव्यवस्था को भी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मंडया जिले के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश का प्रतिनिधित्व किया है।

कई एथलीट अभी राष्ट्रीय शिविर में ट्रेनिंग ले रहे हैं। एचडी कुमारस्वामी मंडया से सांसद हैं। इसलिए खेल से जुड़े इस प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि रही है। खेल सुविधाओं के बढ़ने से निश्चित रूप से मंडया के स्थानीय खिलाड़ियों को फायदा होगा।

चित्रकला परिषद में हस्तशिल्प प्रदर्शनी और बिक्री के साथ 'बेंगलूरु उत्सव' का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संक्रांति के त्यौहार के अवसर पर, चित्रकला परिषद में बेंगलूरु उत्सव का शुभारंभ हुआ है, जिसमें कलाकृतियों, हस्तशिल्पों, वस्त्रों और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर दीक्षा बरनवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, इस प्रदर्शनी में कलाकृतियों और वस्त्रों का प्रदर्शन और बिक्री की जा रही है, जो विभिन्न राज्यों में बेहद

लोकप्रिय हैं। ग्राहक चित्रकला परिषद में आकर अपनी मनपसंद चीजें एक ही छत के नीचे खरीद सकते हैं।

इस प्रदर्शनी में 50 से अधिक कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प प्रदर्शित किए गए हैं। 70 से अधिक स्टॉलों के साथ, यह आयोजन खरीदारों को उनकी पसंद के अनुसार चुनने के लिए उत्पादों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है। इस प्रदर्शनी में मधुबनी और पट्टाचित्र चित्रकला, बनारस की रेशमी साड़ियाँ, जयपुर के हस्तशिल्प, कढ़ाई वाले कुर्ते, टेराकोटा की घरेलू सजावट की वस्तुएँ, धोकरा धातु शिल्प और कई अन्य अनूठे उत्पादों का एक विविध संग्रह प्रदर्शित किया गया है जो आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। यह प्रदर्शनी आम जनता के लिए 25 जनवरी तक खुली है।

वाराणसी के स्कूलों में तमिल भाषा की नियमित कक्षाएं चलाने की तैयारी

वाराणसी/चेन्नई/भाषा। काशी-तमिल संगमम के बाद वाराणसी के स्कूलों में तमिल भाषा की अब नियमित कक्षाएं संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही तमिलनाडु के छात्रों को भी हिंदी सिखाने के लिए 50 अध्यापकों को भी तमिलनाडु भेजने की तैयारी है। राजकीय क्वींस कॉलेज के प्राचार्य सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों इसी विद्यालय की छात्रा पायल पटेल के तमिल भाषा सीखने और बोलने की प्रशंसा की थी और इसे देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्कूल में तमिल भाषा सिखाने के लिए सायंकालीन कक्षा चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि ऐसे में प्रधानमंत्री के सांस्कृतिक एकीकरण की सोच को ध्यान में रखते हुए तमिल भाषा की कक्षाएं जल्द ही शुरू की जाएंगी।

श्रीवास्तव ने बताया, इसके लिए हमने हमारी छात्रा पायल पटेल को तमिल भाषा सिखाने वाली तमिलनाडु की संध्या कुमार साई से बात की है। वह हमारे विद्यालय में तमिल की ऑनलाइन कक्षा लेने के लिए तैयार हो गयी हैं। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तमिल विभाग के अध्यक्ष से भी इस विषय पर बात की गयी है। वह भी सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही यहां के 50 शिक्षकों को भी हिंदी सिखाने के लिए तमिलनाडु भेजने की तैयारी की जा रही है और इसको लेकर वाराणसी के मंडल आयुक्त और जिलाधिकारी ने स्कूलों के साथ बैठक में इस विषय में बात हो चुकी है।

प्रधानमंत्री ने पिछले महीने की 28 तारीख को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में वाराणसी के क्वींस कॉलेज की छात्रा पायल पटेल का जिक्र किया था। इसी को देखते हुए अब राजकीय क्वींस कॉलेज में रोज शाम को तमिल भाषा की एक कक्षा चलाने की तैयारी की जा रही है। श्रीवास्तव ने बताया कि राजकीय क्वींस कॉलेज वाराणसी में नव वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने प्रधानमंत्री के काशी तमिल संगमम के विजन को आत्मसात करते हुए मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तमिल भाषा में नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं और इस का नेतृत्व छात्रा पायल पटेल ने किया।

हरीश चंद्र बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. प्रियंका तिवारी ने बताया कि तमिल संगमम के समय उनके कॉलेज में 15 दिन की तमिल भाषा की कक्षा का संचालन किया गया था जिसमें 50 छात्राओं ने भाग लिया था। तिवारी ने बताया, छात्रों में तमिल भाषा सीखने की ललक को देखते हुए हम कॉलेज में तमिल का एक पाठ्यक्रम शुरू करने का सोच रहे है। अभी स्कूल में छुट्टियां चल रही है। अब अगले सत्र में इस भाषा को सिखाने का पाठ्यक्रम शुरू करेंगे।

कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार, जेल भेजा गया

पतनमथिट्टा (केरल)/भाषा। कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को रविवार तड़के यौन उत्पीड़न के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्हें शनिवार देर रात पलक्कड़ से हिरासत में लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार सुबह यहां एक पुलिस शिविर में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पतनमथिट्टा जिले की एक महिला द्वारा आठ जनवरी को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पलक्कड़ विधायक के खिलाफ यौन उत्पीड़न का तीसरा मामला हाल ही में दर्ज किया गया है। पीड़िता इस समय कनाडा में है और उसने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पुलिस को अपना बयान दिया। सूत्रों के अनुसार, शिकायतकर्ता विवाहित महिला है, वैवाहिक जीवन में समस्याओं के बाद उसकी ममकूटाथिल से जान-पहचान हुई।

उसने पुलिस को बताया कि ममकूटाथिल ने उससे शादी करने का वादा करके अप्रैल 2024 में एक होटल में कथित तौर पर उससे बलात्कार किया। रिमांड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बलात्कार की घटना से पहले उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी। पुलिस ने दर्ज मामले के आधार पर बताया कि जब वह गर्भवती हुई तो ममकूटाथिल ने कथित तौर पर जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया और उसे गर्भपात कराने की धमकी दी। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि ममकूटाथिल ने कई मौकों पर उससे पैसे लिए थे। सूत्रों के मुताबिक, मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने ममकूटाथिल पर नजर रखी, जिसके बाद एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम शनिवार देर रात करीब 12.15 बजे उस होटल के कमरे में पहुंची जहां वह ठहरे हुए थे। उन्हें रात करीब 12.30 बजे होटल से हिरासत में लिया गया और रविवार सुबह करीब 5.30 बजे पतनमथिट्टा पुलिस शिविर में स्थानांतरित कर दिया गया।

सूत्रों ने कहा कि उनके खिलाफ इसी तरह के दो अन्य मामलों की तफ्तीश कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को इस ताजा मामले की छानबीन की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। एसआईटी प्रमुख जी पूंगुजाली पुलिस शिविर पहुंचे और ममकूटाथिल से पूछताछ की। चिकित्सा जांच के बाद, उन्हें एक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

तमिलनाडु सरकार फरवरी अंत तक 10 लाख छात्रों को देगी फ्री लैपटॉप

चेन्नई/दक्षिण भारत। तमिलनाडु सरकार की कॉलेज विद्यार्थियों के लिए महत्वाकांक्षी मुफ्त लैपटॉप बांटने की योजना ने रफ्तार पकड़ ली है। इस योजना का पहला चरण फरवरी अंत तक पूरा होगा। अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में 10 लाख छात्रों को फायदा होगा और लगभग दो लाख लैपटॉप पहले ही योग्य लाभार्थियों तक पहुंच चुके हैं। कुल 20 लाख लैपटॉप खरीदने के लिए एक इंटरनेशनल टेंडर जारी किया गया है, जिसके लिए राज्य सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 2 हजार करोड़ रुपए रखे हैं। अधिकारियों के अनुसार, डेल, एसर और एचपी जैसे मल्टीनेशनल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा सप्लाई किए गए लैपटॉप छात्रों को बांटे जाएंगे।इन सिस्टम में इंटेल आई3 या एएमडी राइजेन 3 प्रोसेसर, 8 जीबी रैम और 256 जीबी एसएसडी स्टोरेज होगा। हर लैपटॉप में पहले से ही विंडो 11, बॉस लिनक्स और एमएस ऑफिस 365 प्री-लोडेड होंगे, जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई की जरूरतों के लिए प्रोप्राइटरी और ओपन-सोर्स दोनों प्लेटफॉर्म मिल सकें। इन लैपटॉप में एआई-पावर्ड परप्लेक्सिटी प्रो प्लेटफॉर्म का छह महीने का फ्री सब्सक्रिप्शन भी शामिल होगा, जिसका मकसद रिसर्च और सीखने में मदद करना है। लैपटॉप के साथ-साथ लाभार्थियों को एक हाई-क्वालिटी बैग भी मिलेगा।

उच्च शिक्षा विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु के लगभग 4,600 आर्ट्स, साइंस, इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर और मेडिकल कॉलेजों में लाभार्थियों की पहचान का काम लगभग पूरा हो गया है।

राजस्थान में शीतलहर का प्रकोप जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में रविवार को भीषण शीतलहर की स्थिति दर्ज की गई। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। प्रतापगढ़ में रविवार सुबह तापमान शून्य से दो डिग्री नीचे और बाड़मेर में शून्य से एक डिग्री नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, पिलानी में 1.2 डिग्री, सीकर में 1.7 डिग्री, बीकानेर के लूणकरनसर में 1.9 डिग्री, झुंझुनू में दो डिग्री और चूरू में भी दो डिग्री तापमान दर्ज किया गया। राज्य में अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

राजधानी जयपुर में रविवार सुबह 9.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर अत्यंत घना कोहरा देखा गया, जबकि पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में घना कोहरा दर्ज किया गया।

नई पारेषण लाइन के बावजूद नवीकरणीय ऊर्जा की कटौती जारी

नयी दिल्ली/जयपुर। राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा विकासकर्ताओं को बिजली कटौती के गंभीर जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में 765 केवी खेतड़ी-नरेला पारेषण लाइन के चालू होने के बावजूद, चार गीगावॉट से अधिक की चालू क्षमता को सौर ऊर्जा के अधिकतम उत्पादन वाले समय में लगभग पूरी तरह से बंद करना पड़ रहा है। हितधारकों की एक बैठक में 15 दिसंबर, 2025 को इस मुद्दे की समीक्षा की गई। इसमें बताया गया कि 'अस्थाई सामान्य नेटवर्क पहुंच' (टी-जीएनए) तंत्र के तहत संचालित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे के बीच लगभग 100 प्रतिशत कटौती का सामना कर रही हैं। बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बात कही। कटौती की यह समस्या 12 दिसंबर को खेतड़ी-नरेला लाइन के चालू होने के बाद से और तेज हो गई है, जबकि उम्मीद यह थी कि इस लाइन से ग्रिड की व्यस्तता कम होगी। ग्रिड इंडिया ने बैठक में बताया कि खेतड़ी-नरेला लाइन के चालू होने से पहले, टी-जीएनए के तहत व्यस्त सौर घंटों के दौरान लगभग 3.8 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को ग्रिड में भेजने की अनुमति दी गई थी। लाइन चालू होने के बाद सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीटीयूआईएल) ने लगभग 4.8 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लिए संपर्क मंजूरी प्रभावी कर दी है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि लगभग चार गीगावॉट की चालू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को अभी भी व्यस्त घंटों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है, और बिजली भेजने की अनुमति केवल गैर व्यस्त घंटों में चरणबद्ध तरीके से दी जा रही है।

सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा है। जिसमें मातृत्व से लेकर शिक्षा तक, शिक्षा से लेकर आजीविका तक और आजीविका से लेकर सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन तक को प्राथमिकता दी गई है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सामाजिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली छात्राओं से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मातृत्व वह आधार है, जहां से एक स्वस्थ समाज की शुरुआत होती है। इसी सोच के साथ हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को प्रभावी रूप से लागू किया है। इस योजना से प्रदेश की करीब 10 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। इसमें देय राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सही मायने में तभी साकार होता है जब महिलाओं के हाथों में कौशल हो, आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हों और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से राज्य में करीब 20 लाख महिलाओं को विभिन्न कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

शर्मा ने कहा कि बेटी के जन्म, उसकी शिक्षा और उसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना में दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों को अब तक साढ़े 10 लाख साइकिलें और करीब 40 हजार स्कूटियां दी गई हैं। वहीं, हमारी सरकार जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर भी उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में युवाओं को रोजगार देना है। पिछले दो वर्षों में एक लाख से अधिक पदों पर सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न संवर्गों के डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 3 लाख 30 हजार से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और निजी क्षेत्र में भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के संकल्प पर निरन्तर कार्य कर रही है। इसी क्रम में 10 जनवरी को नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए जिसमें 2500 से ज्यादा महिलाएं थी। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक हुए, लेकिन हमारी सरकार में दो वर्ष में पेपरलीक नहीं हुआ और पूर्ण पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रियाएं आयोजित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने में महिलाएं अपना योगदान दें। राजस्थान में पर्यटन, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार संबंधी अपार संभावनाएं हैं, जिसमें महिलाएं भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। स्टार्टअप्स और मार्केटिंग के क्षेत्र में भी नये आयाम स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाए जाने वाले युवा दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी और कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा था 21वीं सदी भारत की होगी। उनका कथन 'उठो-जागो और तब तक मत रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो' हम सब को प्रेरित करता है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश का विकास तभी पूर्ण होगा, जब हमारी बेटियां शिक्षित, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान से भरी हों। विकास तभी सार्थक होता है, जब उसमें आधी आबादी की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि इस संवाद से जो सुझाव मिले हैं, वे हमारे नीति-निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल एवं उद्यमिता संदीप वर्मा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास भवानी सिंह देथा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी एवं तकनीकी शिक्षा व उच्च शिक्षा के संस्थानों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

कांग्रेस ने 'मनरेगा' को भ्रष्टाचार की 'दुधारू गाय' बनाकर लूटा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मनरेगा के कायाकल्प और नई योजना 'विकसित भारत जी राम जी' को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम पर करारा प्रहार किया है। शेखावत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने दशकों तक मनरेगा को भ्रष्टाचार की 'दुधारू गाय' बनाकर लूटा है, लेकिन अब मोदी सरकार की पारदर्शिता से इन भ्रष्टाचारियों के पेट में दर्द हो रहा है। रविवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने इतिहास के पन्ने पलटते हुए कहा कि आज जो लोग इस योजना के पैरोकार बन रहे हैं, उनके अपने दिग्गजों ने ही इसकी विफलता की पुष्टि की थी। जब शरद पवार 10 साल तक देश के कृषि मंत्री थे, तब उन्होंने संसद और सार्वजनिक मंचों पर बार-बार चिंता जताई थी कि मनरेगा कृषि क्षेत्र के लिए एक बड़ी बाधा बन गई है। उन्होंने इसे दुरुस्त करने और इसमें संशोधन की मांग की थी। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के ही नेता जयराम रमेश ने खुद लोकसभा के पटल पर स्वीकार किया था कि मनरेगा केवल खड्डे खोदने और उन्हें भरने तक सीमित रह गई है, इससे कोई 'एसेट क्रिएशन' नहीं हो पा रहा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आड़े हाथों लेते हुए शेखावत ने कहा कि जब 14वें वित्त आयोग ने राज्यों का हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत (प्रभावी रूप से 47 प्रतिशत) किया, तब जोधपुर के हमारे अपने मुखिया भी उस मांग के स्टेकहोल्डर थे। राज्यों को अतिरिक्त 15 प्रतिशत पैसा इसी शर्त पर दिया गया था कि वे इसका उपयोग ग्रामीण विकास में करेंगे, लेकिन गहलोत सरकार ने उस धन को विकास के बजाय तुष्टीकरण और मुफ्त की रेवड़ियों में उड़ा दिया। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी पर तंज कसते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत कहा कि दोनों ने कई बार मनरेगा के भ्रष्टाचार पर प्रश्न खड़े कर चुके हैं। खुद उन्होंने माना था कि राज्यों में यह योजना लूट का जरिया है, लेकिन आज जब हम 'जी-राम-जी' के जरिए टेक्नोलॉजी और पारदर्शिता ला रहे हैं तो उन्हें इसमें दोष दिख रहा है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने चौंकाने वाले तथ्य रखते हुए कहा कि मनरेगा में मजदूरों की जगह मशीनों से काम कराया गया और 80 साल के बुजुर्गों के फर्जी नाम लिखकर पैसे डकारे गए। पश्चिम बंगाल के 19 जिलों में ऑडिट हुआ और सभी में अनियमितताएं पाई गईं। विपक्षी राज्यों ने इसे अपने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को वित्त-पोषित करने का जरिया बना लिया था। 11 लाख से ज्यादा शिकायतें भारत सरकार के पास लंबित थीं, जिन्हें अब 'जी-राम-जी' मिशन के तहत एड्रेस किया जा रहा है।

शेखावत ने विरोधियों को आंकड़ों से जवाब देते हुए कहा कि यूपीए के 10 साल में मात्र 1 लाख करोड़ खर्च हुए थे, जबकि मोदी सरकार ने 11 साल में 4 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया है। नई योजना में रोजगार गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ तो सरकार को पेनल्टी के साथ भुगतान करना होगा। यदि सरकार रोजगार देने में विफल रही तो मजदूर को अनिवार्य रूप से मुआवजा मिलेगा। जल संरक्षण (अमृत सरोवर), रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर, आजीविका संवर्धन और प्राकृतिक आपदा मिटिगेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। शेखावत ने पूछा कि जिन्होंने प्रभु राम के अस्तित्व को नकारा, उन्हें आज 'जी राम जी' नाम से भी आपत्ति है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल नाम बदलना नहीं, बल्कि गांवों को विकसित बनाने की साधना है। जो लोग विकास के इस अलाइनमेंट का विरोध कर रहे हैं, जनता उन्हें जल्द ही सही दवा देगी। जी राम जी से राजनीतिक बिचौलियों का खेल खत्म होना तय है।

फर्जी मैरिज ब्यूरो का भंडाफोड़, 150 करोड़ की ठगी करने वाले गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार

डीग। राजस्थान के डीग जिले में फर्जी मैरिज ब्यूरो चलाकर भोले-भाले लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े गैंग तक पहुंचने में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। डीग पुलिस ने इस गिरोह के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस का अनुमान है कि इस गैंग ने अब तक हज़ारों लोगों को झांसा देकर करीब 150 करोड़ रुपये की ठगी की है। शादी का झांसा, भरोसे का खेलडीग पुलिस के अनुसार आरोपियों ने शादी के नाम पर लोगों को लूटने के इरादे से पहले एक संगठित गैंग बनाया और फर्जी मैरिज ब्यूरो खोला। गांव-गांव इसका प्रचार किया गया और यह झूठ फैलाया गया कि ब्यूरो के जरिए गरीब और असहाय लोगों की शादी करवाई जाती है, जिसमें दहेज का पूरा सामान दिया जाएगा।

लोगों से कहा गया कि रजिस्ट्रेशन के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये जमा कराने होंगे और शादी के दिन 70 हजार रुपये नकद, दहेज का सामान और एक मोटरसाइकिल दी जाएगी। शुरुआत में ठगों ने दर्जनों शादियां करवाईं, ताकि लोगों का भरोसा जीता जा सके। इसके बाद गांवों में एजेंट बैठाकर बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए। इस तरह हजारों लोगों से करोड़ों रुपये वसूले गए और फिर आरोपी अचानक पैसे लेकर फरार हो गए। मामले की जानकारी सामने आने के बाद डीग जिले की कैथवाड़ा थाना पुलिस ने जांच शुरू की। थाना इंचार्ज सुल्तान सिंह के नेतृत्व में चल रही कार्रवाई के दौरान दो फर्जी मैरिज ब्यूरो संचालकों को गिरफ्तार किया गया।

मनरेगा बचाओ संग्राम : प्रदेशभर में कांग्रेस का धरना-उपवास, शहीद स्मारक पर जुटे दिग्गज नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून को समाप्त किए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी के मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत रविवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा धरना एवं उपवास कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर के शहीद स्मारक पर आयोजित धरना-उपवास में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, एआईसीसी प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शामिल हुए। धरना समाप्ति के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा कानून को समाप्त कर ग्रामीण गरीबों की रोजी-रोटी छीनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा लागू मनरेगा योजना ने ग्रामीण गरीबों को काम का अधिकार दिया था, जिसमें मांग करने पर रोजगार अथवा मानदेय देने की गारंटी थी। इस योजना से गरीब परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुए, बच्चों को शिक्षा मिली और लोग महाजनों व सूदखोरों के चंगुल से बाहर आए। डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर यह भ्रम फैला रही है कि कांग्रेस केवल नाम बदलने का विरोध कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि केन्द्र सरकार ने पूरी योजना ही समाप्त कर दी है। नई व्यवस्था में न तो काम की गारंटी है और न ही मजदूरी की पूर्ण जिम्मेदारी केन्द्र की होगी। उन्होंने कहा कि जहां पहले पूरी मजदूरी केन्द्र सरकार देती थी, अब राज्यों पर 40 प्रतिशत खर्च का बोझ डाल दिया गया है।

उन्होंने राजस्थान की भाजपा सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वित्तीय कुप्रबंधन के कारण प्रदेश में कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन, छात्रवृत्तियां अटकी हुई हैं और विकास कार्यों का भुगतान नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि राज्य पर कर्ज सवा लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, ऐसे में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी वहन करना संभव नहीं है। यह प्रावधान योजना को समाप्त करने की मंशा से ही लाया गया है।

डोटासरा ने यह भी कहा कि प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के चुनाव नहीं कराए जाने के कारण करीब 3000 करोड़ रुपये की केन्द्र सहायता लैप्स होने की स्थिति में है। मनरेगा के तहत बकाया भुगतान नहीं हो पा रहा है, ऐसे में नई व्यवस्था में इस योजना का संचालन असंभव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गांव-गांव, ढाणी-ढाणी जाकर भाजपा के गरीब विरोधी इरादों को उजागर करेगी और 45 दिनों तक जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा।

माहेश्वरी समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना का सशक्त स्वरूप है : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को जोधपुर में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाअधिवेशन एवं माहेश्वरी महाकुंभ में सहभागिता करते हुए कहा कि माहेश्वरी समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना का सशक्त स्वरूप है। राज्यपाल बागड़े ने समाज की प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि वही समाज प्रगति करता है, जो अपनी प्रतिभाओं को सम्मान और अवसर प्रदान करता है। उन्होंने समाज की एकता, समान संस्कृति, मूल्य और परंपराओं को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र केवल भू-भाग नहीं, बल्कि एक जीवंत दर्शन है, जो विभिन्न समाजों के सामूहिक योगदान से सशक्त होता है। इस दृष्टि से माहेश्वरी समाज भारतीय संस्कृति की निरंतर प्रवाहमान धारा है।

राज्यपाल ने माहेश्वरी समाज की ऐतिहासिक उत्पत्ति, उद्यमिता परंपरा और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि जहाँ बैलगाड़ी नहीं पहुँचती, वहाँ मारवाड़ी पहुँचते हैंऔर इस परंपरा में माहेश्वरी समाज की भूमिका अग्रणी रही है।

उन्होंने उद्योग, व्यापार, स्टार्ट-अप, महिला सशक्तिकरण, सेवा और समाज कल्याण के क्षेत्र में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि वही समाज आगे बढ़ता है, जो परंपरा को स्मरण रखते हुए भविष्य के प्रति सजग रहता है। उन्होंने समाज से शिक्षा, कौशल विकास और मानवीय मूल्यों के साथ राष्ट्र सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रदेश सरकार सतत् एवं समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर में नवसृजित ग्राम पंचायत सेनाई पंचायत समिति धवा में 25 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण कर जनसभा को संबोधित किया। पटेल ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सतत एवं समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार द्वारा आधारभूत सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक कार्य करवाए जा रहे हैं। पटेल ने कहा दो वर्ष के कार्यकाल में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाते हुए 132 नवीन पैकज जोड़े गए। उन्होंने कहा योजना के तहत 35 लाख लाभार्थियों को 6 हजार 860 करोड़ रुपये की कैशलैस सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

विधि मंत्री ने कहा विधानसभा क्षेत्र लूणी में चिकित्सा सुविधाओं की बेहतरी और आधुनिक अवसंरचना के लिए लगभग 70 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत करवाए गए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत धवा एवं केरू में ब्लॉक पब्लिक हैल्थ यूनिट का निर्माण करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने पेंशन की राशि 250 रूपये बढ़ाकर 1250 रूपये प्रतिमाह की गई।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा 'विकसित भारत-जी राम जी' कानून में पुरानी कमियों को दूर कर योजना की अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस योजना को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जरूरी है कि, सच्चाई को समझा जाए और सही जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जाए।

विधि मंत्री ने कहा अब तक मनरेगा के तहत 100 दिन रोजगार की गारंटी थी, जिसे विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के तहत बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। उन्होंने कहा यह सिर्फ दिनों की बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि रोजगार की गारंटी की और मजबूत बनाया गया है।

आरएसएस समय के साथ विकसित हो रहा है, नए रूप धारण कर रहा है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है।

आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म 'शतक' के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है।

इस अवसर पर गायक सुखविंदर सिंह, निर्देशक आशीष मॉल, सह-निर्माता आशीष तिवारी और आरएसएस के पदाधिकारी भैयाजी जोशी उपस्थित थे।

भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि, वास्तव में यह बदल नहीं रहा है; यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।

उन्होंने कहा, जिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल-फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है।

भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने अपना जीवन बचपन से ही राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा, संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार महज 11 साल के थे जब उनके माता-पिता की प्लेग से मृत्यु हो गई, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी संवाद करने या अपने मन की बात कहने के लिए कोई नहीं मिला।

भागवत ने कहा कि जब इतनी कम उम्र में ऐसा बड़ा सदमा लगता है, तो व्यक्ति अकेला हो जाता है और उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन हेडगेवार के साथ ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, उनके व्यक्तित्व में एक ऐसी क्षमता थी कि वे अपने विश्वास या स्वभाव को जरा भी विचलित किए बिना बड़े से बड़े झटकों को भी सह सकते थे यह उत्कृष्ट मानसिक स्वास्थ्य, एक मजबूत और स्वस्थ मन का संकेत था, जो उनमें शुरू से ही मौजूद था।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि डॉक्टर साहब का मनोविज्ञान भी अध्ययन और शोध का विषय हो सकता है।

सपा प्रमुख ने उप्र में एसआईआर के आंकड़ों पर सवाल उठाए

'वोट चोरी' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबाव में वोट चोरी की जा रही है।

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में यादव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया, जबकि उसी समय राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनावों के लिए

भी एसआईआर किया। उन्होंने कहा कि दोनों ही प्रक्रियाओं में काम समान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किया गया।

यादव ने कहा, आश्चर्यजनक रूप से, विधानसभा एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 2.89 करोड़ घटकर 12.56 करोड़ रह गई। वहीं दूसरी ओर, पंचायत एसआईआर के बाद ग्रामीण मतदाताओं की संख्या 40 लाख बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई।

सपा प्रमुख ने निर्वाचन आयोग के समक्ष सवाल उठाते हुए कहा, ''हमें बताएं कि दोनों एसआईआर में से कौन सा सही है, क्योंकि दोनों आंकड़े एक ही समय में सही नहीं हो सकते।'' उन्होंने कहा कि भाजपा के दबाव में आकर अधिकारियों ने मतदान में हेराफेरी के 'संतुलन' को बनाए रखने में लापरवाही बरती, जिसके कारण पूरी प्रक्रिया की पोल खुल गई।

यादव ने कहा कि भाजपा के दबाव में वोट चोरी का समीकरण बराबर करना भूल गए और पोल पूरी तरह से खुल गई।''

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा सरकार पर किसानों के साथ ''धोखा'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को अपनी धान की फसल सरकारी मंडियों में बेचने के लिए खुले आसमान के नीचे ठंडी रातें बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है।

पटनायक ने शनिवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया, ''राज्य में धान खरीद की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। इससे किसान शोषित और बेबस महसूस कर रहे हैं और सरकार से ही निराश

हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में किसान मंडियों में अपनी मेहनत की फसल की रखवाली करते हुए रातें गुजार रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अब किसान राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रदर्शन कर रहे हैं और धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं।

पटनायक ने सवाल किया, ''आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी?'' उन्होंने ये आरोप एक दिन पहले भी लगाए थे और 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नीति को लेकर लोगों को हो रही परेशानियों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया था।

पटनायक ने आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा, ''भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों से कई वादे करके सत्ता में आई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद क्या वे सारे वादे बेकार हो गए? धान खरीद पर बोनस देने की घोषणा से लेकर किसानों को सपने दिखाने तक, सरकार ने हर कदम पर किसानों को निराश ही किया है।''

वैवाहिक वेबसाइट के जरिए ठगी करने वाला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने वैवाहिक वेबसाइट और सोशल मीडिया मंचों पर शादी का झांसा देकर महिलाओं से ठगी करने के आरोप में पंजाब के 31 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पंजाब के राजपुरा निवासी आरोपी दशमीत सिंह को दिल्ली के शालीमार बाग की एक महिला से 86,000 रुपये से अधिक की ठगी के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ठगी की रकम को महंगी शराब और पार्टियों पर खर्च करता था।

इसने बताया कि सिंह वैवाहिक वेबसाइटों पर महिलाओं से दोस्ती करता था और खुद को शादी का इच्छुक बताकर उनका विश्वास जीतता था। पुलिस ने कहा कि इसके बाद वह विभिन्न बहानों से उनसे पैसे अंतरित करवाकर संपर्क तोड़ लेता था।

अधिकारी ने कहा, ''यह मामला तब सामने आया जब शिकायतकर्ता ने उत्तर-पश्चिमी जिले के साइबर थाने में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई कि शादी का झांसा देकर उससे 86,500 रुपये की ठगी की गई है। उसकी शिकायत के आधार पर पिछले साल 14 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।'' उन्होंने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों और बैंक लेनदेन के रिकॉर्ड के विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने आरोपी का सुराग लगाया और उसे पटियाला के राजपुरा से गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारी ने बताया कि सिंह को आठ जनवरी को पकड़ा गया और उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसने कहा कि पूछताछ के दौरान सिंह ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने घर की आर्थिक तंगी और अपने महंगे शौक को पूरा करने के लिए धोखाधड़ी का सहारा लिया।

पुलिस के अनुसार, ठगी गई रकम महंगी शराब और पार्टियों पर खर्च की गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। आरोपी स्नातक है और एक निजी कंपनी में काम करता था। इसने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।

भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक ने कहा

प्रधानमंत्री मोदी शांति के लिए वैश्विक स्तर पर भूमिका निभा रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट (गुजरात)/भाषा। भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वह (मोदी) शांति स्थापित करने के लिए अहम वैश्विक भूमिका निभा रहे हैं।

पोलिशचुक ने राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) को संबोधित करते हुए कहा, ''यह एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे आप (प्रधानमंत्री मोदी) एक क्षेत्रीय नेता से राष्ट्रीय नेता बन गए हैं और अब मेरे देश सहित वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।''

भारत में यूक्रेन के असाधारण और पूर्णाधिकार प्राप्त राजदूत का औपचारिक पदनाम धारण करने वाले पोलिशचुक ने कहा कि

प्रधानमंत्री मोदी 'ग्लोबल साउथ' के उन कुछ नेताओं में से एक हैं जिन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 2024 में कीव की यात्रा की थी।

उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि यूक्रेन में स्थायी और न्यायपूर्ण शांति की प्राप्ति से भारत और यूक्रेन के बीच संबंधों को और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।''

राजदूत ने कहा, ''इस संबंध में, हम उम्मीद करते हैं कि शांति बहाल करने के लिए भारत के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों और लक्ष्यों के प्रति निरंतर समर्थन से दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग और विकास की एक स्थिर नींव तैयार होगी।'' उन्होंने कहा कि 2023 से यूक्रेन इस वैश्विक मंच का भागीदार देश रहा है। यूक्रेन के राजदूत ने कहा, ''हम इसे न केवल विश्वास के रूप में देखते हैं, बल्कि हमारे देशों के बीच आर्थिक सहयोग विकसित करने के एक रणनीतिक अवसर के रूप में भी देखते हैं।''

पोलिशचुक ने कहा कि यूक्रेन की कंपनियां और उद्योग, उद्योग, शिक्षा, कृषि, इंजीनियरिंग, आईटी, ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच सूरजमुखी तेल, अनाज और औषधियों जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में सफल सहयोग रहा है। पोलिशचुक ने कहा, ''हम भारतीय कंपनियों को इस वर्ष आयोजित होने वाले अगले 'यूक्रेन रिकवरी' सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। हम 'मेक इन इंडिया' के ढांचे के भीतर रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक और तकनीकी सहयोग के विस्तार की संभावना भी देखते हैं।''

पोलिशचुक ने इस कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत के दौरान कहा, ''हम युद्ध के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण और नवीनीकरण में भारतीय व्यवसायों की भागीदारी की उम्मीद कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने की मंशा के साथ रणनीतिक साझेदारी हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एसआईआर पर ममता बनर्जी के आरोप निराधार : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर लगाए गए आरोपों को ''निराधार'' बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक कारणों से एसआईआर प्रक्रिया को पटरी से उतारने का आरोप लगाया।

अधिकारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है और दावा किया कि एसआईआर से मतदाता सूचियों में व्याप्त भ्रष्टाचार- फर्जी प्रविष्टियों, दोहराव वाले नामों और घुसपैठियों का पर्दाफाश हो रहा है, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस की देखरेख में वर्षों से पाला-पोसा गया।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ''तृणमूल की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही है'', इसीलिए मुख्यमंत्री इस तरह का हंगामा कर रही हैं।

बनर्जी ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया रिकॉर्ड सुधारने के बजाय मतदाताओं के नाम हटाने का जरिया बन गई है।

एसआईआर की शुरुआत के बाद से कुमार को लिखे अपने तीसरे पत्र में, मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग पर इस प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक पूर्वाग्रह, असंवेदनशीलता और मनमानी का आरोप लगाया।

अधिकारी ने पोस्ट में आरोप लगाया, ''मैं एक बार फिर दोहराना चाहूंगा कि उनके दावे इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पटरी से उतारने का एक हताश प्रयास मात्र हैं, जो मतदाता सूचियों में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर कर रही है। इन सूचियों में फर्जी प्रविष्टियां, दोहराव वाले नाम और घुसपैठियों के नाम थे, जिन्हें तृणमूल की देखरेख में वर्षों से पाला-पोसा गया।''

विपक्ष के नेता ने 10 जनवरी को मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे अपने पत्र में मुख्यमंत्री की आपत्तियों को एसआईआर को बाधित करने का राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रयास बताया और निर्वाचन आयोग के इस कदम को राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बताया।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''मुख्यमंत्री द्वारा इस कवायद को 'अनियोजित, असंवेदनशील और अमानवीय' बताना घोर अतिशयोक्ति से कम नहीं है, जिसे जनता में उन्माद पैदा करने और अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।''

निर्वाचन आयोग ने 16 दिसंबर को एसआईआर के पहले चरण के बाद मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित किया, जिसमें 58 लाख से अधिक नाम हटाए जाने के बाद मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ हो गई।

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। आगरा में पुलिस ने 'क्रिप्टो करेंसी' में निवेश के नाम पर 100 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस उपायुक्त आदित्य ने रविवार को बताया कि आरोपी विनोद और विनय को दो दिन पहले पूछताछ के लिए नोएडा से लाया गया था। उनके खिलाफ सबूत मिलने पर शनिवार शाम उन्हें साइबर थाने में ही गिरफ्तार कर लिया गया। विनोद बागपत का और विनय लखनऊ का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि दोनों ने क्रिप्टो करेंसी के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाई और 2019, 2020 और 2021 के दौरान बड़े होटलों में सेमिनार किए और लोगों को इकट्ठा किया। सेमिनार में लोगों को क्रिप्टो मुद्रा में निवेश करने और रकम कई गुना करने का लालच दिया गया।

अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अभियुक्तों के झांसे में बड़ी संख्या में लोग आ गए और उन्होंने निवेश किया। आगरा में ही करीब 1,500 लोगों से निवेश कराया गया। अभी तक जांच में पता चला है कि हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लोगों से करीब 100 करोड़ रुपए का निवेश कराया गया और रकम हड़प ली गई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अभियुक्तों के एक साथी अजय को पहले ही आगरा पुलिस जेल भेज चुकी है। अभी उनके चार साथी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

सरकारी योजनाओं को लेकर

कांग्रेस डर फैलाकर लोगों को 'गुमराह' कर रही है : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को कांग्रेस पर मनरेगा सहित सरकार की योजनाओं को लेकर डर फैलाकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां सीएए, एनआरसी, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना और वीबी-जी राम जी जैसी योजनाओं और कानूनों के इर्द-गिर्द भ्रामक विमर्श शुरू करके लोगों में भय पैदा करने की राजनीति कर रही हैं।''

उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह महात्मा गांधी की विरासत का हवाला देकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी

अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने को सनसनीखेज बना रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नई योजना विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) के नाम के बजाय उसके गुणों पर बहस करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी ''महत्वपूर्ण और नियमित'' प्रक्रिया को भी चुनौती देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ''बिहार की जनता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से उनके वोट चोरी के आरोपों का जवाब दिया है।'' उन्होंने कहा, ''जिस तरह उन्होंने एसआईआर को लेकर हंगामा करके हमें बिहार जीतने में मदद की उसी तरह वे वीबी-जी राम जी को मुद्दा बनाकर पश्चिम बंगाल और असम जीतने में हमारी मदद करेंगे।''

पासवान ने वीबी-जी राम जी अधिनियम का बचाव करते हुए इसे भारतीय राष्ट्र की ''संघीय संरचना की तर्ज पर सामूहिक जिम्मेदारी'' का प्रतीक बताया। उन्होंने दावा किया, ''कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दावा है कि वीबी-जी राम जी अधिनियम ने योजना के लिए समग्र बजट में राज्यों के योगदान को बढ़ाकर उन पर अतिरिक्त बोझ डाला है। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि यह देश की संघीय संरचना की तर्ज पर सामूहिक जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।''

कोहली में 2027 विश्व कप तक खेलने की भूख है : डोनाल्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केपटाउन/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने माना कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से थोड़ी जल्दी संन्यास लिया लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज में इतनी भूख और जुनून है कि वह 2027 के वनडे विश्व कप तक खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए रखेंगे।

डोनाल्ड ने आईपीएल के 2014-15 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु का गेंदबाजी कोच रहते हुए कोहली के साथ काम किया है। उन्होंने कोहली की वर्क इथिक्स (फिटनेस और खेन के लिए कड़ा अभ्यास) पर जोर देते हुए कहा, '' आप जानते हैं, मैंने फिटनेस और खेल को लेकर जज्बे के मामले में किसी खिलाड़ी में विराट जीतनी भूख नहीं देखी। मेरे मन में उनके

लिए बेहद सम्मान है। मैं अक्सर ड्रेसिंग रुम में इस बारे में बात करता हूं कि वह खुद को फिट रखने के मामले में चैंपियन है। कोई भी उनके जितना मेहनत नहीं करता। वह किसी मशीन की तरह है। उन्होंने कहा, '' मुझे वास्तव में उन्हें टेस्ट मैचों में उनकी कमी महसूस होती है। मुझे लगता है उन्होंने थोड़ा जल्दी संन्यास लिया, लेकिन मुझे कोई संदेह नहीं कि हम उन्हें सीमित ओवर प्रारूप के क्रिकेट और विश्व कप में खेलते हुए देखेंगे।

डोनाल्ड ने यह भी कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका ने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है। सात फरवरी से शुरू होने वाले विश्व कप को भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, '' भारत में यह टूर्नामेंट काफी रोमांचक होने वाला है, है ना? दक्षिण अफ्रीका ने एक बहुत मजबूत टीम चुनी है। हमेशा सवाल उठते रहते हैं कि कौन नहीं गया और कौन जाना चाहिए था। मुझे लगता है कि भारत में दुनिया के सबसे अच्छे टी20 विकेट हैं। किसी भी गेंदबाज के लिए वहां खेलना बेहद कठिन है। मैंने आईपीएल में भी देखा है कि पावर प्ले में 124 रन बनना कितना चुनौतीपूर्ण होता है। यह बल्लेबाजी की कला का ही कमाल है।''

इस पूर्व महान गेंदबाज ने कहा, ''अगर आप सोच समझकर गेंदबाजी करे तो मैच में आपका पलड़ा भारी रहेगा। मुझे उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल तक पहुंचेगी।

त्रिपुरा के उनाकोटि में सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में 10 लोग गिरफ्तार

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के उनाकोटि जिले में सांप्रदायिक झड़पों के सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुमारघाट उपमंडल के सैदरपार में शनिवार को एक स्थानीय मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करने को लेकर हिंसा हुई थी। पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार राय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हिंसा की किसी नयी घटना की सूचना नहीं है और अर्धसैनिक बल संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हिंसा के संबंध में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है तथा इंटरनेट सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं। हम समय के साथ स्थिति की समीक्षा करेंगे और फिर प्रतिबंधों में ढील देने पर फैसला लिया जाएगा।''

राय ने बताया कि झड़पों में चार पुलिसकर्मियों के अलावा छह नागरिक घायल हुए हैं।

कांग्रेस विधायक दल के नेता बिराजित सिन्हा ने आरोप लगाया कि उन्हें हिंसा प्रभावित इलाके में जाने से रोका गया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''हम कल की झड़पों के बाद सैदरपार में प्रभावित ग्रामीणों से मिलने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हमें रोक दिया। मैं इसका कड़ा विरोध करता हूं।''

विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के जान-माल की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, ''जब कुमारघाट जल रहा था, तब मुख्यमंत्री उत्तरी त्रिपुरा के कंचनपुर में रोड शो करने में व्यस्त थे। उन्होंने सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है।''

वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य ने हिंसा की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस की भूमिका की सराहना की।

व्यक्तिगत हित नए बुनियादी ढांचे का विरोध करने का आधार नहीं : प्रधान न्यायाधीश

गुवाहाटी/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को असम के उत्तरी गुवाहाटी क्षेत्र में नए एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर की गुवाहाटी उच्च न्यायालय बार संघ के सदस्यों द्वारा विरोध किए जाने पर हैरानी व्यक्त की।

सीजेआई ने रविवार को इस परिसर की आधारशिला रखी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नए बुनियादी ढांचे के विकास का विरोध करने के लिए व्यक्तिगत निहित स्वार्थ वैध आधार नहीं होने चाहिए।

उत्तरी गुवाहाटी के रंगमहल में इस परिसर की आधारशिला रखने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर को भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया गया है।

देश की न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस पेशे में आने वालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बाध्य हैं।

सीजेआई ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (जीएचसीबीए) नए एकीकृत अदालत परिसर का विरोध कर रही है, जिसमें गुवाहाटी उच्च न्यायालय भी स्थित होगा। उन्होंने कहा, नए न्यायालय परिसर का विरोध करने वाले या तो गलत जानकारी रखते हैं या फिर वकीलों की नई जरूरतों को नहीं समझते।

सुविचार

बुरी किस्मत का मुक़ाबला सिर्फ एक ही चीज़ के साथ हो सकता है और वो है कड़ी मेहनत।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे लें इतिहास का 'प्रतिशोध'?

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने 'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद' कार्यक्रम में इतिहास का 'प्रतिशोध' लेने और हर क्षेत्र में भारत को मजबूत बनाने संबंधी जो आह्वान किया, उसे देशवासियों, खासकर युवाओं को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। हम आज जो हैं, जिस स्थिति में हैं, वह इतिहास का परिणाम है। हम भविष्य में क्या होंगे, किस स्थिति में होंगे, वह हमारे वर्तमान का परिणाम होगा। डोभाल के शब्दों पर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती समेत कुछ कथित बुद्धिजीवियों द्वारा दी गई प्रतिक्रिया गलत सन्दर्भ को दर्शाती है। क्या 'प्रतिशोध' हिंसक तरीके से ही लिया जा सकता है? जो लोग ऐसा मानते हैं, उन्हें इतिहास को फिर से पढ़ने की जरूरत है। द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान पूरी तरह तबाह हो गया था। उसके हिरोशिमा और नागासाकी जैसे शहर खंडहर के ढेर बन गए थे। जापान ने उसका प्रतिशोध कैसे लिया? क्या उसने अमेरिका और उसके मित्र देशों को नष्ट करने की कोई प्रतिज्ञा की थी? नहीं, जापान ने ऐसा नहीं किया। वह देश खंडहर के ढेर से दोबारा उठ गया, अपनी शक्ति बटोरी और नए संकल्प के साथ चलने लगा, बल्कि दौड़ने लगा। जापान तकनीकी उत्कृष्टता और गुणवत्ता का दूसरा नाम बन गया। आज अमेरिका ही नहीं, हर देश जापान का लोहा मानता है। किस देश के लोग वहां नौकरी करने नहीं जाते? प्रतिशोध लेने का सभ्य तरीका यही है कि हम अपनी कमजोरियों को दूर कर खुद को हर तरह से इतना मजबूत बना लें कि जिन्होंने पहले कभी अत्याचार किए थे, वे दोबारा ऐसा करने का दुस्साहस न कर पाएं।

अमेरिका और चीन जैसे देश भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम और विशेषज्ञों की तारीफ करने को मजबूर हैं। बड़ा सवाल है- इतिहास से सबक लेकर भविष्य में बड़ा प्रतिशोध कैसे लिया जाए? इसके लिए कई मोर्चों पर तैयारी करनी होगी।

डोभाल ने सत्य कहा कि 'हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक की तरह असहाय होकर देखते रहे।' इसका प्रतिशोध कैसे लिया जाए? जो आक्रांता यहां आए थे, वे तो सदियों पहले मर-खप गए! क्या उनके देशों पर धावा बोल देना चाहिए? उनमें से ज्यादातर देश ऐसे हैं, जिनके साथ भारत के अच्छे संबंध हैं। इसका प्रतिशोध लेने का सबसे सही तरीका यह है कि हमारे देश की बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा मजबूत की जाए। जो व्यक्ति, संगठन या विदेशी सरकार भारत और भारतवासियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे, उसे ऐसा सख्त जवाब दिया जाए कि इतिहास याद रखे। कुछ साल पहले एक अमेरिकी अखबार ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हुए कार्टून छापा था। उसमें एक किसान अपनी गाय लेकर 'एलीट स्पेस क्लब' में दाखिल होने के लिए दरवाजा खटखटा रहा था। उसका प्रतिशोध लेने के लिए भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और उन्नत बनाना चाहिए। भारत यह प्रतिशोध ले चुका है। अमेरिका और चीन जैसे देश भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम और विशेषज्ञों की तारीफ करने को मजबूर हैं। बड़ा सवाल है- इतिहास से सबक लेकर भविष्य में बड़ा प्रतिशोध कैसे लिया जाए? इसके लिए कई मोर्चों पर तैयारी करनी होगी। विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आपसी फूट का बहुत फायदा उठाया था। हमें इसका प्रतिशोध राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करते हुए लेना चाहिए। हमारे संसाधनों को बहुत लूटा गया था। अब हमें ज्ञान, विज्ञान और तकनीक की राह पर तेजी से आगे बढ़ते हुए सबसे शक्तिशाली और समृद्ध देश का निर्माण करना चाहिए। हमें किसी को मिटाने की नहीं, अपने देश को और महान बनाने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

जोधपुर में 'स्कूल शिक्षा परिवार, राजस्थान' द्वारा आयोजित गैर-सरकारी विद्यालय शैक्षिक सम्मेलन में सहभागिता की। कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और शैक्षिक योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

जोधपुर नगरपालिका के अध्यक्ष रहे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री बंशीधर पुरोहित जी के निधन का समाचार दुखद है।ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति देने एवं परिजनों को हिम्मत तथा धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

-अशोक गहलोत

बजट निर्माण प्रक्रिया में समाज के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले संस्थानों के साथ संवाद किया गया। प्रदेश के विकास के लिए सुझावों पर गहन मंथन किया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

राजा और भिखारी

एक राजा का जन्म दिन था । सुबह जब वह घूमने निकला तो उसने तय किया कि वह रास्ते में मिलने वाले सबसे पहले व्यक्ति को आज पूरी तरह से खुश व सन्तुष्ट करेगाउसे एक भिखारी मिला । भिखारी ने राजा से भीख मांगी तो राजा ने भिखारी की तरफ एक तांबे का सिक्का उछाल दिया । सिक्का भिखारी के हाथ सें छूट कर नाली में जा गिरा । भिखारी नाली में हाथ डालकर तांबे का सिक्का ढूंढने लगा । राजा ने उसे बुलाकर दूसरा तांबे का सिक्का दे दिया । भिखारी ने खुश होकर वह सिक्का अपनी जेब में रख लिया और वापिस जाकर नाली में गिरा सिक्का ढूंढने लगा राजा को लगा कि भिखारी बहुत गरीब है । उसने भिखारी को फिर बुलाया और चांदी का एक सिक्का दिया । भिखारी ने राजा की जय-जयकार करते हुये चांदी का सिक्का रख लिया और फिर नाली में तांबे वाला सिक्का ढूंढने लगा राजा ने उसे फिर बुलाया और अब भिखारी को एक सोने का सिक्का दिया । भिखारी खुशी से झूम उठा और वापिस भागकर अपना हाथ नाली की तरफ बढाने लगा । राजा को बहुत बुरा लगा । उसे खुद से तय की गयी बात याद आ गयी कि पहले मिलने वाले व्यक्ति को आज खुश एवं सन्तुष्ट करना है । उसने भिखारी को फिर से बुलाया और कहा कि मैं तुम्हें अपना आधा राज-पाट देता हूँ ।

सामयिक

सड़कें अब बुद्धिमान : भारत की स्मार्ट सुरक्षा का नया युग

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

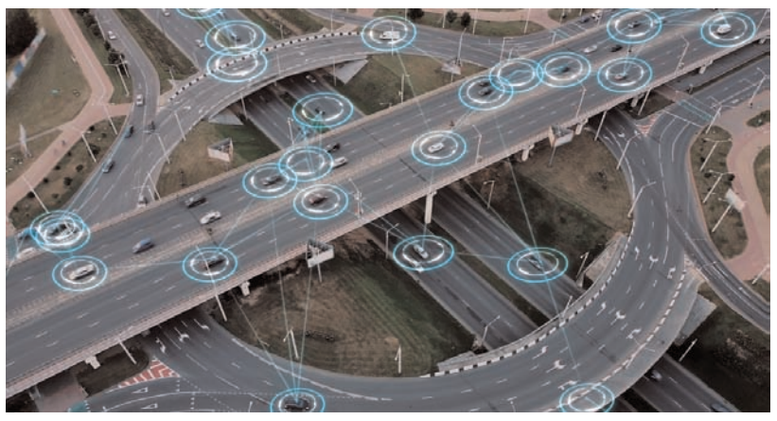

भारत 2026 तक वी2वी तकनीक के रोलआउट से स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल परिवहन की एक नई क्रांति की ओर कदम बढ़ाएगा। यह प्रणाली न केवल देश की सड़क सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्मार्ट मोबिलिटी मानकों में भारत को नेतृत्व दिलाकर उसे अग्रणी बनाएगी। जीवन की रक्षा, आर्थिक बचत और पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ यह तकनीक हर भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षा और भरोसे का वास्तविक वादा है। वर्तमान समय की चुनौती और आवश्यकता यही है कि हम इसे अपनाएं।

भारत की सड़कें आज भी जीवन और सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण साबित हो रही हैं। हर साल लाखों लोग दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और अनगिनत परिवार टूट जाते हैं। वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 1.77 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। इसका अर्थ है कि हर दिन औसतन 485 से अधिक लोग अपने घरों से कभी लौटकर नहीं आते। तेज गति, लापरवाही, हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों की अवहेलना प्रमुख कारण हैं। युवा वर्ग (18-34 वर्ष) सबसे अधिक प्रभावित है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक शक्ति का अहम हिस्सा है। इन भयावह आंकड़ों ने सरकार को मजबूर कर दिया कि वह सड़क सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 2026 तक पूरे देश में व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) संचार तकनीक लागू करने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह तकनीक वाहनों को सीधे संवाद करने में सक्षम बनाएगी, बिना किसी मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट के। वी2वी तकनीक के माध्यम से वाहन आपस में गति, स्थिति, दिशा, ब्रेकिंग और त्वरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। यदि कोई वाहन अचानक रुकता है, ब्लाइंड स्पॉट में प्रवेश करता है या किसी खतरे का सामना करता है, तो आसपास के सभी वाहन तुरंत चेतावनी पाएंगे। इस प्रकार, दुर्घटनाओं को पहले ही रोका जा सकेगा और लाखों जीवन सुरक्षित रहेंगे।

वी2वी संचार प्रणाली पूर्णत अत्याधुनिक वायरलेस तकनीक पर आधारित है। प्रत्येक वाहन में एक ऑन-बोर्ड यूनिट (ओबीयू) स्थापित की जाएगी, जो 5.875 से 5.905 गीगाहर्ट्ज़ बैंड में उपलब्ध 30 मेगाहर्ट्ज़ स्पेक्ट्रम का उपयोग करेगी। यह विशिष्ट स्पेक्ट्रम दूरसंचार विभाग द्वारा निःशुल्क आवंटित किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से वाहन रीयल-टाइम में एक-दूसरे के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे प्रतिक्रिया समय अत्यंत कम हो जाएगा। कई परिस्थितियों में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच का निर्णायक अंतर साबित होते हैं। विशेषज्ञों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह तकनीक दुर्घटनाओं की संभावना को लगभग 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है, विशेष रूप से कोहरे, अत्यधिक यातायात और रियर-एंड टक्कर जैसी जोखिमपूर्ण स्थितियों में।

सरकार ने इसे 2026 तक राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है। पहले चरण में यह केवल नए वाहनों में अनिवार्य होगा। उसके बाद मौजूदा वाहनों में रेट्रोफिटिंग की जाएगी। अनुमानित परियोजना लागत लगभग 5,000 करोड़ रुपये है। प्रति वाहन उपकरण की लागत 5,000-7,000 रुपये के आसपास होने का अनुमान है। राज्य परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक में इस योजना पर व्यापक चर्चा हुई। दूरसंचार विभाग के साथ संयुक्त कार्यबल गठित किया गया है। वी2वी प्रणाली एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के साथ पूरी तरह एकीकृत होगी। प्रीमियम वाहनों में पहले से मौजूद सेंसर-आधारित फीचर्स को भी नए मानकों से जोड़ा जाएगा। दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना (1.5 लाख रुपये तक, 7 दिनों के लिए) को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा।

वी2वी तकनीक के लाभ अत्यधिक व्यापक और दूरगामी हैं। कोहरे में बहु-वाहन टक्कर, रियर-एंड कोलिजन और स्थिर वाहनों से टकराव अब बड़ी संख्या में रोके जा सकेंगे। यातायात का प्रवाह सुचारू होगा, ईंधन की बचत होगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भारत जैसे विविध भूगोल वाले देश में-जहां पहाड़ी रास्ते, घुमावदार सड़कें, घना ट्रैफिक और मौसमी चुनौतियां आम हैं-यह प्रणाली विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। ड्राइवरों को अतिरिक्त प्रतिक्रिया समय मिलने से दुर्घटनाओं की गंभीरता कम होगी और जीवन रक्षा संभव होगी। कुल मिलाकर, यह तकनीक सुरक्षित, स्मार्ट और कुशल परिवहन प्रणाली की नींव रखेगी और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन में चुनौतियां भी हैं। प्रारंभिक लागत, पुराने वाहनों में उपकरण इंस्टॉलेशन, डेटा गोपनीयता की चिंता, साइबर खतरों का जोखिम और सभी वाहनों में समान मानकीकरण प्रमुख बाधाएं हैं। सरकार ऑटोमोबाइल उद्योग, विशेषज्ञों और तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर इन समस्याओं का समाधान कर रही है। सफल परीक्षण और समयबद्ध क्रियान्वयन से इन चुनौतियों को प्रभावी ढंग से पार किया जा सकता है। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षित ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम और सख्त नियमावली लागू करना आवश्यक होगा, ताकि रोलआउट सुचारू और सुरक्षित रूप से संभव हो सके।

इस तकनीक से न केवल दुर्घटनाओं की संख्या घटेगी, बल्कि अनगिनत परिवारों को दुख, पीड़ा और तबाही से भी बचाया जाएगा। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी और सामाजिक सुरक्षा के ढांचे को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी करेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शिता और सरकार की सक्रियता अत्यंत सराहनीय है। अब समय आ गया है कि हम सभी इस तकनीक को अपनाएं और सुरक्षित यात्रा को अपनी आदत में बदलें। सुरक्षित सड़कें ही विकसित, समृद्ध और सुरक्षित भारत की असली नींव हैं। वी2वी तकनीक केवल एक योजना नहीं, बल्कि हर भारतीय के जीवन की सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षित भविष्य का दृढ़ संकल्प है।

भारत 2026 तक वी2वी तकनीक के रोलआउट से स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल परिवहन की एक नई क्रांति की ओर कदम बढ़ाएगा। यह प्रणाली न केवल देश की सड़क सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्मार्ट मोबिलिटी मानकों में भारत को नेतृत्व दिलाकर उसे अग्रणी बनाएगी। जीवन की रक्षा, आर्थिक बचत और पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ यह तकनीक हर भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षा और भरोसे का वास्तविक वादा है। वर्तमान समय की चुनौती और आवश्यकता यही है कि हम इसे अपनाएं, ताकि सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित हों और हर व्यक्ति का जीवन संरक्षित रह सके।

नजरिया

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

स्वामी विवेकानंद ने अनिवार्य रूप से शिक्षा में गीता, उपनिषद और वेद में निहित नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता पर बल दिया। उनके लिए धर्म, कर्मकांड अथवा धार्मिक रीति -रिवाज नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के लिए आत्मज्ञान तथा आत्मबोध का कारक है। उन्होंने कहा कि बलवान शरीर और मजबूत पुट्ठों से युवा वर्ग गीता को भी बेहतर ढंग से समझ सकेगा। विवेकानन्द को आज हम इस रूप में याद करे कि उनके द्वारा दिया गया दर्शन हम अपने में आत्मसात करें, साथ ही अपने जीवन में कर्म को प्रधानता दें तो कुछ बात बनेगीं।

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही ब्रिटिश भारत के दौरान राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। परमहंस जी जैसे जौहरी ने विवेकानंद सरीखे रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। गुरु रामकृष्ण ने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्र ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए।

स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके ज़बरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मेलन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्हीं के कन्धों पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। 'सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ़ अमेरिका' के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही %000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 1% सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। इसे समझने पर हमें हमारे विशाल देश की बाहरी विविधता में एकता के दर्शन होते हैं। शिकागो से वापसी पर उन्होंने कहा केवल अंध देख नहीं पाते और विक्षिप्त बुद्धि समझ नहीं पाते कि यह सोया देश अब जाग उठा है। अपने पूर्व गौरव को प्राप्त करने के लिए इसे अब कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। विवेकानंद ने वहाँ एकत्र लोगों को सभी मानवों की अनिवार्य दिव्यता के प्राचीन वेदांतिक संदेश और सभी धर्मों में निहित एकता से परिचित कराया। शिकागो में दिये गए उनके व्याख्यानों से एक नए अभियान की शुरुआत हुई जो सुधार के उद्देश्य से आज भी हर किसी के दिल में बसा है। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली वेदांत सोसाइटी' की स्थापना की। उन्होंने पूरे यूरोप का व्यापक भ्रमण किया तथा मैक्स मूलर और पॉल डूसन जैसे मनीषियों से संवाद किया साथ ही भारत में अपने सुधारवादी अभियान के आरंभ से पहले निकोला टेस्ला जैसे प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ तर्क-वितर्क भी किये।

विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं। शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा।

जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफ़ेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुन: भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए। उन्होंने सनातन धर्म को गतिशील तथा व्यावहारिक बनाया और सुदृढ़ सभ्यता के निर्माण के लिए आधुनिक मानव से विज्ञान व भौतिकवाद को भारत की आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ने किया शायद यही वजह है भारत में स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानंद का मानना है कि भारत की खोई हुई प्रतिष्ठा तथा सम्मान को शिक्षा द्वारा ही वापस लाया जा सकता है। किसी देश की योग्यता तथा क्षमता में वृद्धि उस देश के नागरिकों के मध्य व्याप्त शिक्षा के स्तर से ही हो सकती है। स्वामी विवेकानंद ने ऐसी शिक्षा पर बल दिया जिसके माध्यम से विद्यार्थी की आत्मोन्नति हो और जो उसके चरित्र निर्माण में सहायक हो सके। साथ ही शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जिसमें विद्यार्थी ज्ञान प्राप्ति में आत्मनिर्भर तथा चुनौतियों से निपटने में स्वयं सक्षम हों। विवेकानंद ऐसी शिक्षा पद्धति के घोर विरोधी थे जिसमें गरीबों एवं वंचित वर्गों के लिये स्थान नहीं था।स्वामी विवेकानंद की ओजस्वी वाणी भारत में तब उम्मीद की किरण लेकर आई जब हम अंग्रेजों के जुल्म सह रहे थे। हर तरफ निराशा का माहौल देखा जा सकता था । उन्होंने भारत के सोए हुए जनमानस को जगाया और उनमें नई उमंग का संचार किया। विवेकानंद वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बहुत महत्व देते थे। वह शिक्षा और ज्ञान को आस्था की कुंजी मानते हैं। विवेकानंद ने गरीबी को ईश्वर से जोड़कर दरिद्रनारायण की अवधारणा दी ताकि इससे लोगों को वंचित वर्गों की सेवा के प्रति जागरूक किया जा सके और उनकी स्थिति में सुधार करने हेतु प्रेरित किया जा सके। महात्मा गांधी द्वारा सामाजिक रूप से शोषित लोगों को 'हरिजन' शब्द से संबोधित किये जाने के वर्षों पहले ही स्वामी विवेकानंद ने 'दरिद्र नारायण' शब्द का प्रयोग किया था जिसका आशय था कि 'गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।।

स्वामी विवेकानंद के उपदेशात्मक वचनों में कहते थे उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत ।इसके माध्यम से उन्होंने देशवासियों को अंधकार से बाहर निकलकर ज्ञानार्जन की प्रेरणा दी थी। स्वामी विवेकानंद ने बार-बार कहा कि भारत के पतन का कारण धर्म नहीं है अपितु धर्म के मार्ग से दूर जाने के कारण ही भारत का पतन हुआ है जब जब हम धर्म को भूल गए तभी हमारा पतन हुआ है और धर्म के जागरण से ही हम पुनः नवोत्थान की और बढे हैं । वहीँ 1900 की शुरुआत में सेन फ्रांसिस्को में भी इसकी एक शाखा खोली।विवेकानन्द के द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन एक अनमोल धरोहर है। वेदांत दर्शन उपनिषद पर आधारित है। इसमें उपनिषद की व्याख्या की गई है।

स्वामी विवेकानंद ने अनिवार्य रूप से शिक्षा में गीता, उपनिषद और वेद में निहित नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता पर बल दिया। उनके लिए धर्म, कर्मकांड अथवा धार्मिक रीति -रिवाज नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के लिए आत्मज्ञान तथा आत्मबोध का कारक है। उन्होंने कहा कि बलवान शरीर और मजबूत पुट्ठों से युवा वर्ग गीता को भी बेहतर ढंग से समझ सकेगा। विवेकानन्द को आज हम इस रूप में याद करे कि उनके द्वारा दिया गया दर्शन हम अपने में आत्मसात करें, साथ ही अपने जीवन में कर्म को प्रधानता दें तो कुछ बात बनेगीं। बेहतर होगा युवा पीढ़ी उनके विचारों से कुछ सीखे और उनको आयकन बनाने के बजाए उनकी शिक्षा को अपने में उतारे और प्रगति पथ पर चले ।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'अगर हमला हुआ तो अमेरिका और इजराइल को निशाना बनाएंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन रविवार को राजधानी और देश के दूसरे बड़े शहर में भी फैल गए। दो सप्ताह से जारी प्रदर्शन के दौरान हिंसा में अब तक कम से कम 116 लोग मारे गए हैं। प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' के अनुसार, प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 116 हो गई है और 2,600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इजराइल उसका वैध निशाना बनेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी प्रदर्शनों को लेकर हमले की धमकी दी है।

कालिबाफ की टिप्पणियों से पहली बार यह संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरानी हमले के संभावित लक्ष्यों की सूची में इजराइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी, जब ईरान की संसद में सांसद अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए आसन के समीप पहुंच गए। सूचना पर लगी रोक से ईरान की सुरक्षा सेवाओं के भीतर के कट्टरपंथियों को खूनी कार्रवाई शुरू करने का हौसला मिलेगा। हालांकि, ट्रंप ने चेताया है कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की रक्षा के लिए ईरान पर हमला करने को तैयार हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को समर्थन देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, ईरान आजादी चाहता है, जो शायद उसने पहले कभी नहीं देखी थी। अमेरिका मदद के लिए तैयार है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से शनिवार रात को बताया कि ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए सैन्य विकल्प दिए गए थे, लेकिन उन्होंने अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेताया, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पैंतरेबाजी न करें। जब वह कुछ करने का वादा करते हैं, तो वह उसे पूरा करने का वादा करते हैं। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने संसद सत्र का सीधा प्रसारण किया। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने अपने संबोधन में पुलिस और ईरान के अर्द्धसैन्य बल रिवोल्यूशनरी गार्ड, विशेष रूप से उसके स्वयंसेवी बासिज की प्रदर्शनों के दौरान दृढ़ता से खड़े रहने के लिए प्रशंसा की।

कालिबाफ ने कहा, ईरान के लोगों को पता होना चाहिए कि हम उनके साथ सबसे सख्त तरीके से निपटेंगे और गिरफ्तार किए गए लोगों को दंडित करेंगे। उन्होंने इजराइल और अमेरिका को चेताते हुए कहा, ईरान पर हमले की स्थिति में, कब्जे वाले क्षेत्र और इस क्षेत्र में स्थित सभी अमेरिकी सैन्य केंद्र, अड्डे और जहाज हमारे वैध लक्ष्य होंगे। कालिबाफ ने कहा, हम केवल कार्रवाई के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं रहेंगे।

हम किसी भी खतरे के स्पष्ट संकेत मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। अमेरिकी सेना ने कहा है कि मध्य-पूर्व में वह अपनी सेनाओं, अपने साझेदारों और सहयोगियों और अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए सेनाओं के साथ तैनात है। इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पर करीब से नजर रख रहा है। इजराइल के अधिकारी ने बताया कि इजराइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से ईरान सहित कई विषयों पर बातचीत की।

'इंडियन आइडल 3' के विजेता और अभिनेता प्रशांत तमांग का 43 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। इंडियन आइडल 3 के विजेता और पाताल लोक 2 में नजर आए प्रशांत तमांग का रविवार को हृदयाघात के कारण निधन हो गया। वह 43 वर्ष के थे। तमांग के करीबी दोस्त और गायक महेश सेवा ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि गायक-अभिनेता का निधन जनकपुरी स्थित उनके आवास पर हुआ। उन्होंने कहा, आज सुबह करीब नौ बजे दिल्ली स्थित आवास पर हृदयाघात से तमांग का निधन हो गया। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके असामयिक निधन से मैं स्तब्ध हूं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और तब वह बिल्कुल स्वस्थ थे।

उन्होंने आगे कहा, उनका शव अब भी अस्पताल में है। परिवार इस बारे में विचार कर रहा है कि अंतिम संस्कार दिल्ली में किया जाए या दार्जिलिंग में।

तमांग की मौत की खबर सबसे पहले उनके एक अन्य मित्र राजेश घाटानी ने सोशल मीडिया पर साझा की थी। घाटानी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर लिखा, यह बेहद दुखद खबर लिखते हुए मेरा दिल भारी हो रहा है!! ईश्वर करे आप बैकुंठ में रहें!! प्रशांत भाई को मेरी श्रद्धांजलि। तमांग का जन्म चार जनवरी 1983 को दार्जिलिंग में एक नेपाली भाषी गोरखा परिवार में हुआ था। उनके पिता पश्चिम बंगाल पुलिस में कार्यरत थे और सेवा के दौरान ही उनका निधन हो गया, जिसके बाद तमांग ने अपने पिता का पद संभालने के लिए स्कूल छोड़ दिया।

दोस्तों के प्रोत्साहन से उन्होंने 2007 में रियलिटी सिंगिंग शो इंडियन आइडल के लिए ऑडिशन दिया, जहां उन्होंने प्रतियोगिता जीत ली। तमांग की जीत पर दार्जिलिंग की पहाड़ियों, सिक्किम और नेपाल के कुछ हिस्सों में अभूतपूर्व जश्न मनाया गया। इसके बाद उन्होंने 2010 में अपना पहला एल्बम धन्यवाद जारी किया और भारत व विदेशों में नियमित रूप से संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति देते रहे।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जमींदार ने 23 वर्षीय हिंदू किसान की गोली मारकर हत्या की

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक जमींदार ने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाने के कारण 23 वर्षीय हिंदू किसान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद हिंदू समुदाय ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किए। बदीन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कमर रजा जसकानी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार रात हैदराबाद से मकान मालिक सरफराज निजामानी और उसके सहयोगी जफरुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया। बदीन जिले के तलहार गांव में आश्रय के लिए निजामानी की जमीन पर एक झोपड़ी बनाने के आरोप में चार जनवरी को कैलाश कोहली को गोली मार दी गई थी।

जसकानी ने कहा, आरोपी के घटनास्थल से फरार होने और भूमिगत हो जाने के बाद इस मामले में एक विशेष टीम का गठन किया गया था लेकिन हमने आखिरकार उसे कल रात हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से गिरफ्तार कर लिया। कोहली की हत्या के बाद हिंदू समुदाय में आक्रोश भड़क उठा और उन्होंने इसके विरोध में प्रदर्शन किए। निजामानी नहीं चाहता था कि कोहली उसकी जमीन पर झोपड़ी बनाए। गोली लगने से घायल कोहली ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

'ड्रीम' को लेकर सीमा में नहीं बंधना चाहतीं अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा ने अब तक एक्शन, हॉरर, ड्रामा से लेकर बोल्ड रोल्स तक हर तरह की फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन वह किसी खास डायरेक्टर, एक्टर या कहानी के पीछे नहीं भागतीं। अदा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं और बाकी सब यूनिवर्स पर छोड़ देती हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि वह अपने 'ड्रीम' को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है।

अदा ने कहा, मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो। उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा, अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो 'द केरल स्टोरी' कभी नहीं होती। सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए।

अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं। '1920' में मैंने डरावना किरदार निभाया, 'सनफ्लावर' में बोल्ड बार डांसर रोजी का, 'द केरल स्टोरी' में भोली-भाली मासूम लड़की का और 'कमांडो' में एक्शन रोल था। किसी ने नहीं कहा कि केरल स्टोरी वाली लड़की एक्शन क्यों कर रही है और एक एक्टर के लिए यह बहुत अच्छी चीज है। जब दर्शक आपको हर किरदार में स्वीकार करते हैं तो आगे बढ़ने और अक्सर कुछ खास करने का उत्साह मिलता है। साल 2026 के बारे में बात करते हुए अदा ने उत्साह जताया। उन्होंने कहा, साल 2026 में फैंस को बहुत कुछ नया और शानदार मिलने वाला है। बहुत सारा कुछ है। मैं अलग-अलग किरदारों से लोगों को एंटरटेन करना चाहती हूं, उन्हें रुलाना, हंसाना, एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी, हॉरर सब कुछ देना चाहती हूं। मैं बहुत लकी हूं कि मुझे ऐसे रोल्स मिल रहे हैं।

ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट हुई अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट'

मुंबई/एजेन्सी

'होमबाउंड' और 'दशावतार' के बाद अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' भी ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट हो गई है। फिल्म के ऑस्कर के लिए चयनित होने से अभिनेता अनुपम खेर बहुत खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी को जाहिर किया है। 'तन्वी द ग्रेट' अभिनेता के लिए बहुत खास है क्योंकि इसका निर्देशन उन्होंने खुद किया है और फिल्म भी उनकी भांजी से प्रेरित होकर बनाई गई है। फिल्म को दो बार रिलीज किया गया और अब फिल्म बीते 100 दिन से सिनेमाघरों में है। फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट होने के साथ अनुपम खेर का हौसला और बुलंद हो गया है और वे अच्छे कंटेंट और पूरी मेहनत के साथ ऐसी ही फिल्में बनाने पर फोकस करने वाले हैं।

उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, ''ऑस्कर, सर्वश्रेष्ठ फिल्म, शॉर्टलिस्ट, तन्वी द ग्रेट।'' हर साल दुनिया भर से हजारों फिल्में सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार ऑस्कर के लिए भेजी जाती हैं। फिल्म उद्योग में लाखों लोग अकादमी द्वारा शुरुआती स्वीकृति और सराहना पाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और यह आपको उद्योग के कुछ चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ लोगों की श्रेणी में भी रखता है।''उन्होंने लिखा, ''98वें अकादमी पुरस्कार समिति द्वारा चुनी गई दुनिया की शीर्ष 200 फिल्मों की सूची में शामिल होना ही हमारी टीम के लिए एक बहुत बड़ी जीत है। हमने बहुत मेहनत की, और आज सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे होने और ऑस्कर चयन समिति द्वारा शॉर्टलिस्ट किए जाने से हमारा यह विश्वास पुख्ता हो गया है कि कड़ी मेहनत और ईमानदारी का फल हमेशा मिलता है। इस अद्भुत सम्मान के लिए अकादमी को धन्यवाद।'' बता दें कि इस बार भारत से कई फिल्मों को ऑस्कर के लिए अलग-अलग श्रेणियों में शॉर्टलिस्ट किया गया है, जिसमें 'होमबाउंड', 'दशावतार', 'कांतारा: चैप्टर 1' और 'सिस्टर मिडनाइट' का नाम शामिल है। आखिरी नॉमिनेशन जनवरी में भी शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। अब देखना होगा कि साल 2026 में भारत के खाते में कितने ऑस्कर आते हैं।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन चुनाव से जुड़ी बातचीत के लिए डिस्ट्रिक्ट कमेटी ऑफिस जाते हुए।

क्यों काले कपड़ों से परहेज करते हैं पवन सिंह?

मुंबई/एजेन्सी

कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का लेटेस्ट एपिसोड शनिवार रात को टेलीकास्ट हो चुका है, जिसमें सांसद मनोज तिवारी, पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव और पावर स्टार पवन सिंह को देखा गया है। शो में राजनीति से लेकर भोजपुरी गानों की बात हुई, लेकिन इसी के साथ पवन सिंह ने खुलासा किया कि वे काले कपड़े पहनने से परहेज करते हैं। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पवन सिंह को कम ही बोलते हुए देखा गया और जितने भी जवाब उन्होंने दिए, वे बहुत ही सीमित थे। ऐसा लगा कि पवन सिंह फूंक-फूक कर कदम रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे काले कपड़ों से परहेज करते हैं क्योंकि जिस दिन वे पूरे ऊपर से लेकर नीचे तक काले कपड़े पहनकर निकलते हैं, तो कोई न कोई बवाल, लड़ाई, स्टेज पर बदलसूकी या कुछ न कुछ ऐसा

होता है कि पूरा दिन खराब हो जाता है। अभिनेता ने ये भी खुलासा किया कि ब्लैक के अलावा, अगर किसी कपड़े में भी उनका दिन खराब जाता है, तो उस कपड़े को वे रिपीट नहीं करते हैं।

पवन सिंह का ये भी मानना है कि अगर किसी आउटफिट में सब कुछ बेहतरीन हो रहा है, तो वे उस आउटफिट को तकरीबन 5 साल तक पहनते हैं। ब्लैक आउटफिट न पहनने की बात पर मनोज तिवारी हंस देते हैं, क्योंकि वे शो में खुद ब्लैक अटायर पहनकर पहुंचे थे। सिंगर ने इस बात का भी खुलासा किया कि उनके अटायर में लाल रंग का कुछ न कुछ कॉम्बिनेशन जरूर होता है, क्योंकि लाल रंग उनके लिए लकी है। शो में पवन सिंह ने ये भी बताया कि उनके लिए तीन चीजें बहुत जरूरी हैं, जिसमें पहली उनकी मां, दूसरा उनका काम और तीसरा दर्शक है, जिसकी वजह से वे इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में करियर के शुरुआती संघर्ष को लेकर भी पवन सिंह और मनोज तिवारी ने अपने किस्से किए। मनोज तिवारी ने बताया कि जब वे अपनी कॉलेज की पढ़ाई करते थे, तो कमाने के लिए और फीस भरने के लिए तीन साल तक ड्राइवर की नौकरी की थी। वहीं पवन सिंह का बचपन भी बेहद गरीबी में निकला। जब उनके गांव में शादी होती थी, तो बाद के बचे खाने को गांव के गरीब बच्चों में बांट दिया जाता था, और उन मांगने वाले हाथों में एक हाथ पवन सिंह का भी होता था।

'मिर्जापुर द फिल्म': मौत के मुंह से वापस आएगा ये किरदार, श्रिया पिलगांवकर फोटो कीं शेयर

मुंबई/एजेन्सी

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर इलाके में फैले अपराध, सत्ता और बदले की राजनीति पर आधारित क्राइमथ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर के सीजन वन और सीजन टू ने फैंस का भरपूर मनोरंजन किया था। इस वेब सीरीज पर एक फिल्म भी बन रही है, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म का शीर्षक 'मिर्जापुर द फिल्म' रखा गया है। इस फिल्म में एक अहम किरदार आपको फिर से दिखाई देगा, जिसका द एंड वेब सीरीज के पहले पार्ट में मुन्ना भैया (दिव्येंदु शर्मा) की गोली से हो गया था। अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने वह जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी है। श्रिया पिलगांवकर ने मिर्जापुर के सीजन वन में स्वीटी गुप्ता का किरदार निभाया था। इसमें स्वीटी की हत्या उसके ही विवाह समारोह में मुन्ना भैया द्वारा कर दी जाती है, जब वह गर्भवती होती है। फिलहाल 'मिर्जापुर द फिल्म' शूटिंग कर रही है। श्रिया ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें

साझा कीं। पहली तस्वीर फिल्म के क्लैपबोर्ड की थी, जबकि दूसरी तस्वीर में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, दिव्येंदु, पंकज त्रिपाठी, रसिका दुगल और अन्य कलाकारों के साथ एक ग्रुप फोटो है। कैप्शन में श्रिया ने लिखा, 8 साल बाद... अंदाजा लगाओ कौन मौत के मुंह से वापस आ गया है। मिर्जापुर फिल्म। फिलहाल शूटिंग चल रही है। जल्द मिलेंगे। मिर्जापुर का सीजन वन 2018 में रिलीज हुआ था।

श्रिया के पोस्ट से उनके फैंस उत्साहित दिख रहे हैं। उन्होंने पूछा है कि क्या फिल्म में विक्रांत मैसी भी है? बता दें सीजन वन में विक्रांत मैसी भी मुन्ना भैया के हाथों मारे गए थे। पहले सीजन में एक्टर पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा ने अहम किरदार निभाए थे। दूसरे सीजन में विक्रांत और श्रिया को छोड़कर पहले सीजन के मुख्य कलाकार बरकरार रखे गए हैं। दूसरे सीजन में विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पैन्युली, अनंगशा बिस्वास और नेहा सरगम सहित कई कलाकारों ने एंट्री ली थी।

श्रिया जल्द ही प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू हुई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान 18 साल बाद पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। सैफ और अक्षय ने आखिरी बार 'टशन' में साथ काम किया था, जो फ्लॉप रही थी। श्रिया की बात करें तो उन्होंने 2013 में मराठी फिल्म 'एकुलती एक' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता का महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार मिला था। श्रिया ने 'फेन' से अपने हिंदी अभिनय करियर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री ने 'गिल्टी माइंड्स', 'द ब्रोकन न्यूज' और 'ताजा खबर' जैसी सफल वेब सीरीज से अपनी पहचान बनाई। 'गिल्टी माइंड्स' और फिल्म 'इश्क-ए-नादान' में भी उन्होंने काम किया।

'ओ रोमियो' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

'तेरी बातों में उलझा जिया' के बाद खूंखार अवतार में शाहिद कपूर पर्दे पर धमाका मचाने के लिए तैयार है, क्योंकि उनकी मच अवेटेड फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर सामने आ चुका है। फिल्म में फरीदा जलाल और नाना पाटेकर को दमदार डायलॉग बोलते भी देखा जा रहा है।

कुल मिलाकर ट्रेलर की झलक में 'कबीर सिंह' और 'कमीने' दोनों की झलक देखने को मिल रही है। फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर छा गया है और फिल्म में कबीर सिंह से मिलते-जुलते शाहिद को दिखाया गया है, जो पहले से कहीं ज्यादा खूंखार हो गए हैं। हाथों में बंदूक और खून से लथपथ शाहिद एक साथ कई गुंडों से लड़ते दिख रहे हैं। वहीं ट्रेलर में विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और तृप्ति डिमरी की झलक दिखाई गई है। ट्रेलर में फरीदा जलाल, अभिनेता से कहती हैं, इश्क में जो तर जाए वो रोमियो और मर जाए वो .....। ऐसा पहली बार है जब सीधी साधे रोल निभाने वाली फरीदा को बोल्ड डायलॉग बोलते हुए देखा गया है।

ट्रेलर में नाना पाटेकर की भी झलक दिखाई गई है, वो अपने पुराने व्यंगात्मक अंदाज में दिखे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्ममेकर-कंपोजर विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' गैंग वॉर और गैंगस्टर पर बेस्ड होने वाली है और फिल्म की कहानी को एक्स्ट्रा स्पाइसी बनाने के लिए लव स्टोरी का सहारा लिया गया है। ये फिल्म कुछ-कुछ 'कबीर सिंह' वाली वाइब दे रही है, जिसमें पहले शाहिद प्रीति के पीछे पागल थे और इसमें वो तृप्ति डिमरी के लिए लोगों का गला काट रहे हैं।

ट्रेलर से पहले फिल्म का पोस्टर भी रिलीज हुआ था, जिसमें अभिनेता खून से लथपथ, चीखते-चिल्लाते दिखे थे। फिल्म को वैलेंटाइन वीक पर रिलीज किया जाएगा, जब पहले ही देशभर में 'लव इन द एयर' होगा।

ऐसे में 13 फरवरी को रिलीज होने वाली आज के आशिकों को कितनी पसंद आती है, ये तो आने वाला समय ही बताएगा। हालांकि अब ट्रेलर रिलीज के बाद फैंस फिल्म के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन हेल्पलाइन सोशियल ऑर्गेनाइजेशन अक्कीपेट के सदस्यों ने डीवीजी रोड के अबला आश्रम में जरूरत की खाद्य सामग्री एवं पाठ्य सामग्री भेंट की। दिनेश चोपड़ा व उनकी टीम ने व्यवस्था सम्भाली। अध्यक्ष नितिन पोरवाल ने सभी का स्वागत किया तथा मंत्री जीतू भंडारी ने संस्था के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर हेल्पलाइन के कैलाश संकलेचा सहित अनेक सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी।

समाजसेवियों को अपनी घोषणा प्रतिबद्धता के साथ पूरी करनी चाहिए : कुमारपाल

गोडवाड़ भवन ने किया चयनीत सहयोगियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित राणावत अतिथि भवन के निर्माण के समय घोषणानुसार 415 सहयोगी सदस्य बनने पर समारोहपूर्वक उन सहयोगियों में से 25 सहयोगियों को ड्रॉ द्वारा भाग्यशाली सहयोगी के रूप चयनीत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गोड़वाड़ भवन में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में ट्रस्ट के वरिष्ठ एवं सामाजिक कार्यकर्ता कुमारपाल सिसोदिया ने कहा कि समाज के विकास कार्यों के लिए जो भी रकम समाज के वरिष्ठजनों द्वारा बोली जाती है वह अपनी तय समय सीमा में समाज सेवा कार्यों में लगनी चाहिए, इससे समाज का विकास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज नेतृत्व करने वाले भामाशाहों को यह बात भी समझनी चाहिए कि केवल वाहवाही के लिए अपना नाम लिखा देना और तय राशि देने का समय आने पर आगे-पीछे हो जाना यह उचित नहीं है।

सिसोदिया ने बताया कि आपके योगदान की भावना के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए घोषणानुसार 415 सहयोगियों में से 25 सहयोगियों का आज ड्रॉ द्वारा चयन करके विशेष रुप से सम्मानित किया गया। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा संपूर्ण जैन समाज के सहयोग से संचालित जैन जागृति योजना का जिक्र करते हुए कहा कि तीसरा बच्चा होने पर अभी तक 90 से ज्यादा माता-पिता को प्रोत्साहन स्वरूप एक बड़ी राशि प्रदान की जा चुकी है। सिसोदिया ने आगे बताया कि 'पद्मश्री' से विभूषित गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानंद सूरीश्वरजी का गोडवाड़ भवन में आगामी चातुर्मास करवाने का प्रस्ताव है जिसके निवेदन के लिए एक प्रतिनिधि मंडल शीघ्र ही आचार्यश्री के सम्मुख उपस्थित होगा। यदि स्वीकृति प्राप्त होती है तो समाज के उत्कृष्ट हेतु आगामी चातुर्मास विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मील का पत्थर साबित होगा।ङ्कगोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट द्वारा लालबाग रोड़ पर संचालित धाकुबाई मिश्रीमल राणावत अतिथि भवन के 415 सहयोगियों के सम्मान हेतु भाग्यशाली लक्की ड्रॉ निकालकर 25 सहयोगियों को माला व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष भंवरलाल करबावाला, महामंत्री विक्रम कुमार करबावाला, कोषाध्यक्ष गौतम के मेहता, सहमंत्री रमेशकुमार चांदावत एवं समाज के वरिष्ठ चेतनप्रकाश डूंगरवाल, छगनमल लुणावत व केके भंसाली द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।मंगलाचरण दुर्लभचंद खांटेड़ ने दिया। महामंत्री विक्रम करबावाला ने स्वागत भाषण में सभी उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए अतिथि भवन के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, सहयोगी व गोडवाड़ क्षेत्र के प्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन महीपाल सुराणा ने किया।

आज्ञा लेकर कार्य करने वाला ही सच्चा आराधक होता है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के क्लब रोड विजयनगर में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने कहा कि मनुष्य वही होता है जो अपने इच्छित लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रयासरत रहता है। साधक साधना के लिए चलता है। साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने विजयनगर में आयोजित श्री पार्श्व नाकोडा भैरव महापूजन में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो आज्ञा लेकर कार्य करता है, वही सच्चा आराधक होता है।

आज्ञा में एक अद्भुत शक्ति छिपी होती है, सामान्य मनुष्य की शक्ति सुषुप्तावस्था में होती है, परंतु गुरु या प्रभु की शक्ति सर्वव्यापक, प्रकाशमान और प्रभावशाली होती है। यदि हमें वह दिव्य शक्ति प्राप्त करनी है, तो उनकी आज्ञा का पालन करना अनिवार्य है, क्योंकि आज्ञा देने वाला, अपने आज्ञा का पालन करने वाले को सदैव अपनी शक्ति प्रदान करता है। इसलिए आज्ञा का वास्तविक अर्थ है परमेश्वर से एकरूप होना, उसकी चेतना से जुड़ जाना, जो कार्य आज्ञा के बिना होता है, उसमें दिव्यता नहीं होती। अगर हम आज्ञा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद इन तीन तत्वों को अपने जीवन में समाहित कर लें, तो अनंत ऊर्जा हमारे भीतर प्रकट होती है। यह ऊर्जा आत्मा को सक्रिय करती है, इसलिए आज्ञा का पालन करते समय सजगता और जागरूकता आवश्यक है।ङ्कसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि हर क्रिया के पीछे उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। यदि विचारों में स्पष्टता नहीं है और कर्म में प्रयोजन नहीं है, तो वह कर्म निष्फल हो जाता है। किसी भी कार्य को करने से पहले स्वयं से संवाद करें।

जब हम लक्ष्य तय कर लेते हैं, तो उसे प्राप्त करने के लिए आत्मा पूर्णतः जागृत हो जाती है, इसलिए हमें यह आदत विकसित करनी चाहिए कि कोई भी क्रिया करने से पूर्व, उसका उद्देश्य और लक्ष्य तय करें। संदीप डोसी ने बताया कि पार्श्व नाकोड़ा महापूजन का लाभ लखमीचंद नीतेशकुमार बोहरा परिवार ने लिया।

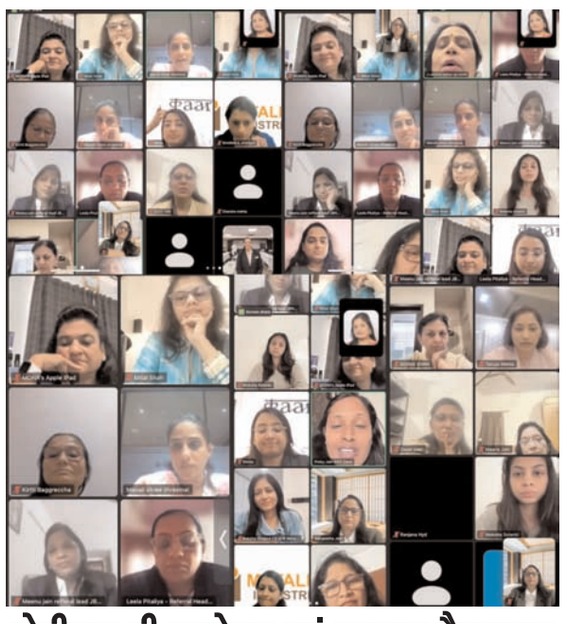

जेबीएन वी कनेक्ट एवं स्वयम हैदराबाद की इंटर-चैप्टर डिजिटल मीट आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की जेबीएन वी कनेक्ट एवं स्वयम हैदराबाद रेफरल ग्रुप की इंटर-चैप्टर डिजिटल मीट का आयोजन किया गया। इस वर्चुअल बैठक का मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग को सुदृढ़ करना, व्यापारिक विकास के नए अवसरों को प्रोत्साहित करना तथा दोनों चैप्टर्स के बीच दीर्घकालिक और सार्थक संबंध स्थापित करना था। बैठक में जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, स्वयम संयोजक एवं जेएलडब्लू के कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता सहित बेंगलूरु व हैदराबाद की अनेक सदस्याओं की सहभागिता रही। जेबीएन वी-कनेक्ट की ओर से यूफिट न्यूट्रिशन की संस्थापिका मोक्षा सोलंकी व स्वयम हैदराबाद की ओर से मोना शाह ने अपने विचार साझा किए। दोनों चैप्टर्स के कुल 40 सदस्यों ने अपने व्यावसायिक परिचय प्रस्तुत किए।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद टी दासरहल्ली बेंगलूरु द्वारा जीकेडब्ल्यू लेआउट में संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर डेंटल केयर में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 67 रोगियों ने मधुमेह, रक्तचाप एवं थायराइड की जांच करवाई। कमलेशकुमार, जयकुमार भटेवरा परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में तेयुप के अध्यक्ष राकेश चावत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे ।

प्रसन्नता जीवन का सबसे बड़ा धर्म है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीवनहल्ली स्थित महावीर मुथा के निवास पर साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि जीवन मे अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थितियां जीवन का हिस्सा हैं। विपरित परिस्थितियों में भी हंसते खिलते रहना जीवन जीने की कला है। प्रसन्नता जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। प्रसन्नता का परिधान सभी ऋतुओं में सुखद और हितकारक है।

हम एंग्रीमैन नहीं, हैप्पीमैन बने। क्रोध खुशी का दुश्मन है पलभर का गुस्सा जीवन भर का दुःख बन जाता है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि जो व्यक्ति प्रगति के शिखर पर आरोहण करना चाहता है उसके जीवन में मुस्कान का होना जरूरी है। जीवन में प्रसन्न रहकर हम हेल्दी, वेल्दी और चियरफुल बनने का प्रयास करो। साध्वीश्री मनीषा प्रभाजी ने ॐ की ध्वनि के साथ ध्यान का प्रयोग करवाया। कार्यशाला में जीवनहल्ली, बसवनगुड़ी एवं वसंतनगर के श्रावक श्राविकाओं ने भाग लिया। महावीर मुथा ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता के भाव व्यक्त किए ।

भोजपुरी सेवा समिति का स्थापना दिवस 18 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति की एक विशेष बैठक इंदिरा नगर स्थित प्रधान कार्यालय पर समिति के अध्यक्ष संजयसिंह उज्जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से 18 जनवरी को आस्टीन टाउन के राजराजेश्वरी कल्याण मंडप में 15वां स्थापना दिवस समारोह एवं मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में दही चूड़ा के भोज का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। अनुराधा शर्मा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम के रूप में जेपी सिंह को उपाध्यक्ष, यूपी शर्मा को मुख्य प्रबंधक, चन्द्रशेखर सिंह एवं संजय भारती को प्रबंधक मनोनीत किया गया। मुख्य संयोजक एवं सलाहकार रामाशंकर सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी दी। समिति के सचिव गिरीशचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि 26 जनवरी को प्रधान कार्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें इंदू सिंह की अध्यक्षता में कैप्टन रिपु मर्दन को उपाध्यक्ष, संजीत आनंद को मुख्य प्रबंधक, एनके सिंह एवं शिवशंकर साह को प्रबंधक मनोनीत किया गया।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 लोगों ने जांच करवाई

मिथिला महोत्सव के अवसर पर आयोजित हुआ शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मिथिला महोत्सव के अवसर पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन और कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने मणिपाल हॉस्पिटल हेब्बाल, हनुमान ऑप्टिक्स, अमाया डेंटल और माइक्रो लैब्स के सहयोग से निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। सेवा ब्रिगेड के सीईओ राममोहन पाठक ने बताया कि करीब 150 लोगों का नेत्र परीक्षण, ईसीजी, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन जांच, दांतों की जांच के साथ ही सामान्य चिकित्सा परामर्श दिया गया। संस्थापक प्रवीण पांडेय, अध्यक्ष, राजमणि सिन्हा, कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष पवन मिश्रा ने सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

जीतो साउथ व नार्थ चैप्टर के जेबीएन ने किया औद्योगिक भ्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो पगारीया जेबीएन, बेंगलूरु साउथ और नॉर्थ रेफरल समूह ने डब्बासपेट में एक व्यावसायिक फर्नीचर निर्माण कंपनी का दौरा किया। यह औद्योगिक भ्रमण का नेतृत्व जीतो साउथ जेबीएन ट्रेंडसेटर अचीवर्स ने ट्रेंडसेटर मेवरिक्स और जीतो नॉर्थ जेबीएन पायनियर्स और सिनर्जी के साथ मिलकर किया।

पोल स्टार फर्नीचर के चेयरमैन वीरेंद्र पामेचा और प्रबंध निदेशक शुभम पामेचा ने प्रतिभागियों को चेयर निर्माण प्रक्रियाओं, उत्पादन वर्कफ़्लो, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों, परिचालन दक्षता और व्यवसाय स्केलेबिलिटी के बारे में बताया। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी और नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी को शुभकामनाएं दी।

साउथ चैप्टर के मुख्य सचिव नितिन लुनिया और नार्थ के विजय सिंघवी ने सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष जितेश दक के नेतृत्व में मंत्री अनिमेष चौधरी,सहमंत्री रवि चौधरी, कोषाध्यक्ष कुनाल गन्ना एवं मीडिया प्रभारी जितेन्द्र कोठारी ने अजमेर में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सदस्यों ने मुख्यमुनि महावीर कुमारजी, मुनिश्री दिनेश कुमारजी, मुनिश्री अनुशासन कुमारजी एवं साधु-साध्वियों की सेवा उपासना का विशेष लाभ लिया तथा अभातेयुप द्वारा संचालित चौका सत्कार में भी सेवाएं प्रदान की।

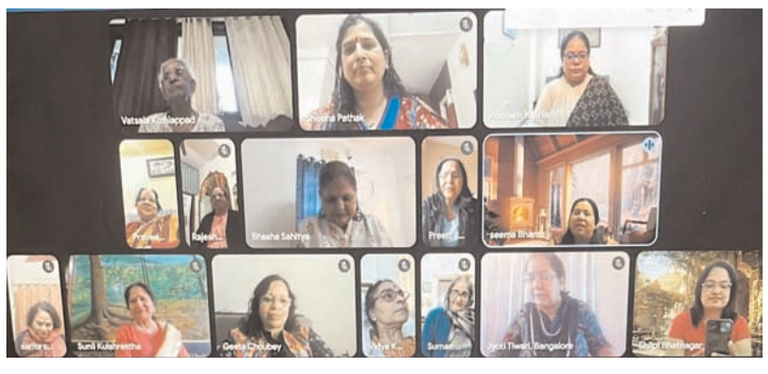

भाषा साहित्य मंच की गोष्ठी में लघु कथाओं की बिखरी छटा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भाषा साहित्य मंच की नव वर्ष 2026 की पहली ऑनलाइन आयोजित की गई। सह संयोजक डॉ वत्सला किरण ने दीप प्रज्वलित कर गोष्ठी का शुभारंभ किया। शोभा सतीश पाठक ने स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। शिल्पी भटनागर और पूनम कतरियार ने संचालन किया। मंच की संस्थापिका अध्यक्षा डॉ.उषा श्रीवास्तव ने सभी को नए वर्ष की शुभकामनाएं दीं। पूनम कतरियार ने लघुकथा विधा की जानकारी दी। लघुकथा गोष्ठी में डॉ.उषा श्रीवास्तव, सुमन मेहरोत्रा, वीणा सरीन, सरिता श्रीवास्तव ,ज्योति तिवारी, सीमा भांति, गीता चौबे गूंज, सुषमा सुनील कुलश्रेष्ठ, त्रिशला मिश्रा, डॉ भूमिका श्रीवास्तव, ऋता शेखर मधु, प्रीति राही आदि ने अनेक लघु कथाएं प्रस्तुत की। सदस्यों ने अपनी प्रस्तुतियों द्वारा मंच पर वात्सल्य, करुणा, दया, हास्य व्यंग्य आदि अनेक भावों के रंग बिखेर दिए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**